दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

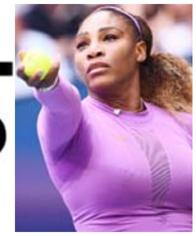

वर्ष 03, अंक 237 | ग्वालियर गुरुवार 3 सितम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

संसद के मानसून सत्र में नहीं होगा प्रश्नकाल

नई दिल्ली। राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, कोरोना माहामारी के बीच 14 सितंबर से आयोजित होने वाल संसद के मानसून सत्र के दौरान कोई प्रश्नकाल नहीं होगा। हालांकि, शून्य काल और अन्य कार्यवाही अनुसूची के अनुसार आयोजित की जाएगी। आपको बता दें कि संसद का मानसून सत्र 14 सितंबर से शुरू होकर 1 अक्टूबर को समाप्त होने वाला है। सत्र में भाग लेने वाले सांसदों के साथ-साथ अधिकारियों और कर्मचारियों को कोरोना वायरस के आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करना होगा, जिसमें 72 घंटों के भीतर कोविड-19 का परीक्षण करना शामिल है। शीर्ष सरकारी सूत्रों ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि संसद का मानसून सत्र दैनिक आधार पर आयोजित किया जाना है, यहां तक ??कि सप्ताह के अंत पर भी कोई ब्रेक नहीं है। दोनों सदनों की कार्यवाही दैनिक आधार पर आयोजित की जाएगी। एक दिन 14

विपक्षी पार्टियों ने जताया विरोध, कहा- यह लोकतंत्र की हत्या

सितंबर को लोकसभा सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक जबकि राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 3 से 7 बजे तक आयोजित की जाएगी। 14 सितंबर के बाद, राज्यसभा सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक बैठेगी और लोकसभा की प्रक्रिया दोपहर 3 बजे से 7 बजे तक निर्धारित है। संसद के दोनों सदनों में प्रतिदिन चार घंटे बैठना है और महामारी को देखते हुए सरकार द्वारा हर एहतियाती कदम उठाया जाएगा।लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ने पहले ही अधिकारियों के साथ बैठक की और स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों की मौजूदगी में निर्देश दिए कि इस मानसून सत्र में कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन कैसे किया जाना चाहिए। संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है, लेकिन उसमें प्रश्नकाल नहीं किया जाएगा। हालांकि शून्यकाल और दूसरी कार्रवाई सदन की अनुसूची के आधार पर आयोजित की जाएंगी। सरकार के इस फैसले पर विपक्ष ने सवाल दागने शुरू कर दिए हैं। वहीं कांग्रेस और टीएमसी की ओर से इस फैसले पर नाराजगी जताई गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्वीट कर कहा कि मैंने चार महीने पहले कहा था कि मजबूत नेता महामारी को लोकतंत्र खत्म करने के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं, सत्र का ये नोटिफिकेशन बता रहा है कि इस बार प्रश्नकाल नहीं होगा, हमें सुरक्षित रखने के नाम पर ये कितना सही है? थरूर ने आगे लिखा कि लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना ऑक्सीजन की तरह है, लेकिन यह सरकार संसद को एक नोटिस बोर्ड की तरह बनाना चाहती है और अपने बहुमत को रबर स्टाम्प के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। जिस एक तरीके से जवाबदेही तय होती है, उसे भी किनारा किया जा रहा है। हालांकि सरकार के इस फैसले पर टीएमसी पार्टी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने आपत्ति जताई है। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट करते हुए लिखा कि सांसद सत्र शुरू होने से 15 दिन पहले प्रश्न संसद में जमा करते हैं, सत्र की शुरुआत 14 सितंबर से शुरू हो रही है तो क्या प्रश्नकाल रद्द हो गया? उन्होंने आगे लिखा कि 1950 से पहली बार विपक्ष के सांसद सरकार से सवाल पूछने का अधिकारी खो बैठे हैं? उन्होंने लिखा कि जब संसद की सारी कार्रवाई पूर्ण रूप से चल रही है तो प्रश्नकाल को ही क्यों रद्द किया गया है? लोकतंत्र की हत्या के लिए महामारी को बहाना बनाया जा रहा है।

भारत-चीन: तीन दिन में 2 बार हुई घुसपैठ की कोशिश, हालात तनावपूर्ण

नई दिल्ली। लद्दाख। जम्मू-कश्मीर के पूर्वी लद्दाख में स्थित चुशूल में भारत और चीन के सैनिक फिर से आमने-सामने हैं। चीन की ओर से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तीन दिन में दो बार घुसपैठ की नाकाम कोशिशों के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। ब्रिगेडियर कमांडर स्तर की बातचीत के बीच चीनी सैनिकों ने 29-30 अगस्त की रात, फिर 31 अगस्त की रात को लद्दाख में दो जगहों पर हिमाकत दिखाई। हर बार उसे नाकामी हासिल हुई। इस बीच चीन का सबसे बड़ा फोकस ब्लैक टॉप है। भारतीय सेना ने यहां चीनी सैनिकों के जासूसी उपकरण उखाड़कर फेंक दिए हैं। भारतीय सेना के स्पेशल कमांडोज़ ने दक्षिण पैंगोंग झील के पास ब्लैक टॉप की पहाड़ियों को अपने कब्जे में ले लिया है। वहीं, चीनी सेना को जवाब देने के लिए पैंगॉन्ग झील के दक्षिण छोर पर ब्लैक टॉप के इलाके में भारतीय सेना ने ञ्ज-90 टैंक की रेजिमेंट एक्टिव कर दी है, जबकि, चीन ने पहाड़ों पर लड़ने वाले हल्के टैंक ञ्ज-15 को लद्दाख में खास तौर पर तैनात किया है। भारतीय सेना के पास जो ञ्ज-90 युद्धक टैंक हैं। वो युद्धभूमि में बेजोड़ है। ताजा विवाद जो हुआ है वो पैंगोंग झील के दक्षिणी हिस्से में है। यह विवादित एरिया ब्लैक टॉप पहाड़ी के नजदीक है, जो चुशूल से 25 किमी पूर्व में है। ब्लैक टॉप पर हालांकि चीन का नियंत्रण है, लेकिन यहां भारतीय सेना की मौजूदगी ने उसे परेशान कर दिया है। ब्लैक टॉप की ऊंचाई से करीब 100 मीटर नीचे चीनी टैंक साफ देखे जा सकते हैं। चीनी सेना ने इन्हें किसी भी एक्शन के लिए बिल्कुल तैयार रखा है। वहीं, भारतीय सेना एंटी टैंक मिसाइल स्पाइक सिस्टम से लैस है यानी इशारा मिलते ही ञ्ज-15 टैंक खाक में मिला दिए जाएंगे। वहीं, चुशूल क्षेत्र एक ऐसा इलाका जिसका इस्तेमाल अटैक करने के लिए लॉन्च पैड के रूप में किया जा सकता है। क्योंकि यहां काफी जगह समतल है, जो सैन्य गतिविधियों के लिए मुफीद मानी जाती है। 1962 के युद्ध के दौरान चीन ने पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी दोनों हिस्सों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया था और भारत को शिकस्त झेलनी पड़ी थी। सीमा पर तनाव के बीच भारत-चीन की सेनाओं के ब्रिगेड कमांडर लेवल के अफसर आज लगातार तीसरे दिन बातचीत करेंगे। ये मीटिंग चुशूल सेक्टर में एलएसी से 20 किलोमीटर दूर स्थित मॉल्दो में होनी है। इससे पहले भारत ने चीन से दो टूक कहा है कि वह अपने फ्रंटलाइन सैनिकों को काबू में रखे। उधर, चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने 1962 का युद्ध याद दिलाते हुए धमकी दी है कि चीनी सेना से भारत अपनी रक्षा नहीं कर सकता। भारतीय सेना चुशूल में हाई अलर्ट पर है। सेना चीन के ञ्ख में यथास्थिति बदलने की किसी भी हिमाकत का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। चुशूल के अलावा मई के शुरू से ही दौलत बेग ओल्डी के करीब डेस्पांग घाटी में भी सेना हाई अलर्ट पर है। इन इलाकों में चीनी सेना भारतीय पेट्रोलिंग को रोकने की भारत-चीन- तीन दिन में 2 बार हुई घुसपैठ की कोशिश, हालात बेहद तनावपूर्ण कोशिश की थी।

भारत ने दिया चीन को तीसरा एप झटका,

पबजी सहित 118 एप बैन

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच कई माह से जारी तनाव के बीच मोदी सरकार ने तीसरी बार चीनी मोबाइल एप पर बैन लगाया है। इस बार लोकप्रिय गेमिंग एप पबजी सहित 118 मोबाइल एप पर प्रतिबंध लगाया गया है।मोदी सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर इन एप को बैन लगाया है। इस बार सरकार के द्वारा जिन चीनी एप पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें पबजी के अलावा लिविक, वीचैट वर्क और वीचैट रीडिंग, एपलॉक, कैरम फ्रेंड्स जैसे मोबाइल एप शामिल हैं। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड इन्फर्मेशन टेक्नॉलाजी ने आईटी एक्ट के सेक्शन 69ए के तहत अपनी

शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए इन मोबाइल एप पर बैन लगाया है। सरकार के मुताबिक ये ऐप भारत की संप्रभुता, रक्षा और राज्यों की सुरक्षा व पब्लिक ऑर्डर के खिलाफ गतिविधियों में शामिल थे। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि इन ऐप्स के बारे में कई शिकायतें मिली थीं। हमें कई ऐसी रिपोर्ट्स मिली थीं कि एंड्रॉयड और आईओएस प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद कुछ मोबाइल एप यूजर्स के डेटा को चोरी कर रही हैं और उन्हें लगातार देश से बाहर स्थित अपने सर्वर तक अवैध रूप से पहुंचा रही हैं। इसके पहले लोकप्रिय टिकटॉक सहित चीन के कई एप पर प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं। जून के आखिर में भारत ने टिकटॉक, हेलो सहित चीन के 59 मोबाइल एप पर प्रतिबंध लगाया था।इसके बाद में जुलाई के आखिर में 47 और चीनी एप पर प्रतिबंध लगाया गया। इस तरह चीन से सैन्य तनातनी के बीच मोदी सरकार ने अबतक चीन के 224 एप पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है।

उमर अब्दुल्ला बोले- भारत से अलग जम्मू-कश्मीर का कोई भविष्य नहीं हो सकता

नई दिल्ली। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अभिन्न हिस्सा है उन्हें भारत से अलग उसका कोई भविष्य नहीं दिखाई देता। उन्होंने यह भी कहा कि वह न तो धुर दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी नेताओं के नजरिये वाला भारतीय बन सकते हैं और न ही ऐसे लोगों के नजरिये वाला कश्मीरी बन सकते हैं, जो भारत के एक

हिस्से के तौर पर कश्मीर का कोई भविष्य नहीं देखते। अब्दुल्ला ने हाल ही में आई पुस्तक इंडिया टुमॉरो- कन्वर्सेशन विद द नेक्स्ट जेनरेशन ऑफ पॉलिटिकल लीडर्स में कहा कि ऐसे में सबसे अच्छा यही है कि आप जो हैं, वही बने रहें।

मोदी कैबिनेट ने जेएंके के लिए 5 अधिकृत भाषाओं को मंजूरी दी

संसद में लाया जाएगा विधेयक

नई दिल्ली। मोदी कैबिनेट ने आज जम्मू कश्मीर के लिए 5 अधिकृत भाषाओं को मंजूरी दी है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद कश्मीरी, डोगरी, उर्दू, हिंदी और इंग्लिश जम्मू कश्मीर में आधिकारिक भाषा होगी। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि मंत्रिमंडल ने जम्मू-कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक, 2020 को मंजूरी दी है। कैबिनेट द्वारा अनुमोदित नए विधेयक के तहत उर्दू, कश्मीरी, डोगरी, हिंदी और अंग्रेजी जम्मू-कश्मीर की आधिकारिक भाषाएं होंगी। यह फैसला लोगों की मांग के आधार पर लिया गया

है। इस समय जम्मू-कश्मीर में अंग्रेजी और उर्दू राज्य की सरकारी भाषा हैं। जम्मू-कश्मीर रिऑर्गेनाइजेशन एक्ट की धारा 47 के मुताबिक राज्य की विधानसभा को किसी एक या ज्यादा भाषा को सरकारी भाषा बनाने का अधिकार है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में डोगरी, हिंदी और कश्मीरी को आधिकारिक भाषाओं के रूप में शामिल करना न केवल लंबे समय से लंबित मांग की पूर्ति है, बल्कि 5 अगस्त, 2019 के बाद समानता की भावना को ध्यान में रखते हुए लिया गया फैसला है। बता दें कि 5 अगस्त 2019 को मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से संबंधित अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था। और कश्मीर राज्य का दर्जा खत्म कर अलग दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया गया था।

शिवसेना के पूर्व प्रदेश प्रमुख रमेश साहू की गोली मारकर हत्या

इंदौर। मध्य प्रदेश में शिवसेना के पूर्व प्रदेश प्रमुख रमेश साहू की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। वहीं रमेश साहू की पत्नी और बेटी को आरोपियों ने चोट पहुंचाई है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। जिसके बाद मामले में पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। मध्य प्रदेश शिवसेना के पूर्व प्रमुख रहे रमेश साहू की इंदौर के पास उमरी खेड़ा में गोली मारकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। रमेश साहू उमरी खेड़ा में साईं राम ढाबा संचालित करते थे। रमेश साहू की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या की है। वहीं बीच बचाव करने आई मृतक की पत्नी और

बेटी को भी आरोपियों ने चोट पहुंचाई है। जिसमें वो घायल हो गईं। हालांकि घटनास्थल से कोई सामान या पैसा चोरी नहीं किया गया है। आरोपियों ने केवल हत्या की वारदात को ही अंजाम दिया है। जिसके चलते पुलिस घटना के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जता रही है। वहीं घटना के बाद रमेश साहू के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ड्रैगन से तनाव के बीच राजनाथ सिंह रूस के लिए रवाना

नई दिल्ली। चीन और भारत में चल रहे तनाव के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन एससीओ की एक महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लेने के लिए बुधवार को रूस रवाना हो गए हैं। सूत्रों ने बताया है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के शेड्यूल में चीन के रक्षा मंत्री के साथ कोई बैठक नहीं है। इस बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य पर विचार-विमर्श किए जाने की उम्मीद है। एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक ऐसे समय हो रही है, जब इसके दो सदस्य देशों- भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में एक सीमा गतिरोध है। चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंघे के एससीओ की बैठक में हिस्सा लेने की उम्मीद है। एससीओ बैठक के इतर सिंह और वेई के बीच द्विपक्षीय बैठक की संभावना के बारे में पूछे जाने पर सूत्रों ने कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है। भारत और चीन के सैनिकों के बीच साढ़े तीन महीने से अधिक समय से पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कई क्षेत्रों में गतिरोध बना हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के अलावा सिंह अपने

रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगू और कई अन्य शीर्ष स ै न्य अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे, जिसका उद्देश्य कई रक्षा खरीद कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में तेजी लाना है। सिंह पांच सितंबर की शाम में भारत के लिए रवाना होंगे। सिंह की यह जून के बाद मॉस्को की दूसरी यात्रा होगी। उन्होंने 24 जून को मॉस्को में विजय दिवस परेड में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। रूस ने 10 सितंबर को एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी आमंत्रित किया है।

कोरोना संक्रमण काल में राशन दुकानों से

मध्य प्रदेश में गरीबों में बांटा घटिया क्वालिटी का चावल

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण काल में राशन दुकानों से बांटा गया चावल घटिया क्वालिटी का निकाला है। यह खुलासा केंद्र सरकार की रिपोर्ट में हुआ है। केंद्र सरकार ने प्रदेश सरकार को एक पत्र लिखकर बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सरकारी राशन दुकानों से वितरित चावल इंसानों के खाने योग्य नहीं था। वह पोल्ट्री ग्रेड का चावल था, जो इंसानों को पीडीएस के तहत बांटा गया। केंद्र सरकार ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि 30 जुलाई से 2 अगस्त के बीच में 32 सैंपल चावल के लिए गए थे। इसमें कुछ सैंपल वेयरहाउस और कुछ राशन दुकानों से लिए गए थे। इन्हें दिल्ली की सीजीएएल लैब में जांच के लिए भेजा गया था। लैब की रिपोर्ट में बताया गया है कि सभी सैंपल इंसानों के उपभोग करने योग्य नहीं थे, जो चावल सप्लाई किया गया वहां पोल्ट्री ग्रेड का था। केंद्र की रिपोर्ट के खुलासे के बाद प्रदेश में सियासत गरमा गई है। एमपी कांग्रेस ने प्रदेश की बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि राज्य सरकार ने कोरोना संक्रमण काल के दौरान गरीबों को घटिया चावल देने का काम किया है, जो कि जानवरों के खाने लायक था। कांग्रेस ने इस पूरे मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस नेता भूपेंद्र गुप्ता ने कहा है कि इस चावल वितरण मामले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और गड़बड़ी सामने आई है। ऐसे में सरकार को जांच करा कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए और साथ ही यह बताना चाहिए कि पूरे प्रदेश में कहां कहां पर पोल्ट्री ग्रेड का चावल बांटा गया है। वहीं, बीजेपी ने भी जवाबी हमला बोला है। राशन दुकान से गरीबों को पोल्ट्री ग्रेड का चावल बांटे जाने के कांग्रेस के आरोप पर बीजेपी ने कहा है कि बीते 15 महीने में कांग्रेस सरकार के समय का यह पूरा मामला है। पिछली कांग्रेस सरकार ने भंडारण से लेकर राशन वितरण तक की व्यवस्था की थी, जिसमें सच अब खुलकर सामने आ रहा है। इस पूरे मामले में बीजेपी राज्य सरकार से उच्च स्तरीय जांच की मांग करेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

आपदा (बाढ़ अथवा वर्षा) प्रबंध कार्य योजना के तहत दवायें, चिकित्सक दल बनाये

मुरैना। आपदा (बाढ़ अथवा वर्षा) प्रबंध कार्य योजना के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरसी बांदिल ने आपातकालीन कार्रवाही कर किसी भी आपदा आपदा की स्थिति से निपटने के लिये प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों में चिकित्सक दल तैनात करने की व्यवस्था की है। इन्हीं केन्द्रों पर आवश्यक पर्याप्त दवाईयों का भण्डारण सुनिश्चित किया गया है। यह जानकारी चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आरके मिश्रा द्वारा संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने संबंधी संभागीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित चिकित्सक ने दी। बैठक में बताया गया कि किसी भी आपदा की स्थिति में प्रभावित क्षेत्रों में चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिये जिला स्तर एवं ब्लॉक स्तर पर कॉम्बेट टीम का गठन कर लिया गया है। जिले के सभी विकासखण्डों पर किसी भी आपदा की स्थिति होने से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिये डिपो होल्डर बनाये गये है, जिनके पास जीवन रक्षक दवाईयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। जिसमें ब्लीचिंग पाउडर 2 किलो, जीवन रक्षक घोल 20 पैकेट, क्लोरीन गोली 500, क्लोरोक्वीन गोली 100, पेरासीटामांलगोली 20 और मेट्रोजिल गोली 200 है। इसके अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर जीवन रक्षक दवाईयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को आदेशित किया गया है कि वे अपने-अपने मुख्यालय पर रहकर क्षेत्र में सतत निगरानी रखें एवं ग्रामों में किसी भी प्रकार की बीमारी फैलती है, तो उसकी सूचना नजदीक के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अथवा जिला मुख्यालय पर तत्काल देवें। उन्होंने बताया कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर बीसीएम, प्रभारी बीसीएम को ब्लॉक पर कार्यो के दायित्व प्रदान कर उन्हें उनके संबंधित क्षेत्र के कर्मचारियों से प्रतिदिन बीमारी से संबंधित जानकारी लेकर रजिस्टर पंजी में नोट करके जिला स्तर पर सूचना देने के निर्देश दिये गये। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन आई.डी.एस.पी. के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर राज्य स्तर पर सूचना दी जाती है एवं किसी भी समय बीमारी की सूचना प्राप्त होने पर भी जिले के संबंधित अधिकारियों को जानकारी उपलब्ध कराकर समय रहते बचाव एवं रोकथाम की कार्रवाही की जाती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने आपदा से निपटने के लिये जिला स्तर पर रेपिड रेस्पोंस टीम का गठन किया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरसी बांदिल ने आपदा (बाढ़ अथवा वर्षा) से निपटने के लिये जिला स्तर पर रेपिड रेस्पोंस टीम का गठन किया है। जिला स्तर पर टीम में 9 चिकित्सकों को रखा है। जिसमें जिला सर्वेलेंस अधिकारी डॉ. अनुभा महेश्वरी, जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. गिर्राज गुप्ता, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय गोयल, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. हरिओम सिंह, जिला एपिडिमियोलॉजिस्ट डॉ. अल्पना सक्सेना, जिला पैथोलोजिस्ट डॉ. राकेश उपाध्याय, मेडीकल विशेषज्ञ डॉ. राघवेन्द्र यादव, जिला पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक शर्मा और जिला खाद्य निरीक्षक श्री धर्मेन्द्र जैन को नियुक्त किया गया है। विकासखण्ड स्तर पर सभी मेडीकल ऑफीसरों सहित अन्य स्टॉफ को रखा है।

चंबल संभाग के कमिश्नर आरके मिश्रा द्वारा संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने संबंधी संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित

क्राइम ब्रांच ने तस्कर गिरोह को पकड़ा

20 लाख रुपए की ब्राउन शुगर,15 पिस्टल मय मैगजीन के बरामद

वासुदेव मिश्रा

ग्वालियर की क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक तस्कर गिरोह को पकड़ा है .. इस 7 सदस्यीय गिरोह के कब्जे से 20लाख रुपए कीमत की ब्राउन शुगर और 15 पिस्टल मय मैगजीन के बरामद की गई हैं ...ब्राउन शुगर की तस्करी करने वाले इस गिरोह की सूचना क्राइम ब्रांच पुलिस को मिली थी ।जिसके आधार पर शिवपुरी पनिहार रोड पर दो पुलिस पार्टियां तैनात की गई थी ...तस्कर गिरोह के सात सदस्यों के पास से 20 लाख की ब्राउन शुगर के अलावा 15 पिस्टल मय मैगजीन के, 13 खाली मैगजीन,, 5 जिंदा राउंड ,,एक सफेद रंग की एक्सयूवी कार भी बरामद की गई है...

तस्करों से पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली है कि आरोपी तस्कर धार और झाबुआ जिले से ब्राउन शुगर लाकर ग्वालियर में 20 से ?25हजार में खपाते थे... गिरफ्तार किए गए तस्करों पर ग्वालियर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, अवैध हथियार व मादक पदार्थों की तस्करी के दर्जनों प्रकरण दर्ज हैं..

अमित सांघी-- एसपी ग्वालियर

चलती मोटर साइकिल से गिरी 60 वर्षीय वृद्ध महिला

मोहन मांझी

भिंड। मेहगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुधवार सुबह 9-30 बजे गिंगरखी की पुलिया के पास, ग्वालियर शताब्दीपुरम के रहने वाले अजय श्रीवास अपनी माताजी सिया दुलारी पत्नी राम रूप श्रीवास उम्र 60 वर्ष को लेकर अपनी निजी एम 80 मोटरसाइकिल एम, पी,30 एम एम 6039 पर सवार होकर भिंड के पास पीछे निमंत्रण के लिए जा रहे थे परंतु जैसे ही यह दोनों मां बेटे गिंगरखी पुलिया के पास पहुंचे ही थे कि अचानक उनकी मोटरसाइकिल का पिछ्ला पहिया फट गया जिस कारण अजय के साथ बैठी उनकी माता सिया दुलारी चलती मोटर साइकिल से रोड पर गिर पडी जिस कारण उनके सर में गंभीर चोट आई राह चलते किसी भले आदमी ने 108 पर फोन लगाकर लगाकर सूचना दी, गोहद चौराहा थाना 108 इमरजेंसी एंबुलेंस के पायलेट मुरारी लाल गोस्वामी ने बिना देरी किए शीघ्र ही घटनास्थल पर पहुंचे सिया दुलारी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उनको जल्द ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद पहुंचाया, जिससे सिया दुलारी को उचित समय पर डॉक्टर की देखरेख में से उचित इलाज मिल सका, और उनकी जान बचाई जा सकी,

भिण्ड ज़िले के मोहना क्षेत्र स्थित मछंड़ में राजीव कुमार के यहां कियोस्क बैंक का हुआ शुभारंभ जिसमे मुख्यातिथि के रूप में मोहना के ब्रान्च मैनेजर पीयूष मेहरा शिवकांत ओझा एवं समस्त स्टाफ उपस्थित हुए ।

विमला युथ पावर जीडीओ संस्था के द्वारा 457वां रक्तदान कर बूढ़ी मां की बचाई जान

***पुष्पांजली टुडे सतना-**

लगातार ऐसी महामारी कोविड-19 के चलते विमला युथ पावर जीडीओ के सदस्य ऐसे लॉकडाउन में आपने जीवन को न देख कर निकाल पड़ते है गरीबो की जान बचाने के लिए और उन जरूरतमंदों की जान बचा रहे है जिसे खून की आवश्यकता होती है और आकाश ने बताया कि खून एक बहुत ही महत्व है जीवन के लिए अगर खून नहीं होगा तो हमारा जीवन नहीं ही नही रहेगा तो आज हमारे संस्था के द्वारा 457 वा रक्तदान प्रशांत अग्रवाल जो आईएएस की कोचिंग कर रहे हैं इन्होंने अपना टाइम निकालकर और अपनी जान को जोखिम में देकर अपना खून मरीज उमा चुहतेल को दिया जिससे उमा चुहतेल को दूसरा जीवन मिला। इसमें सबसे बड़ा योगदान प्रिंस तोमर का है जो कि नागौद के रहने वाले हैं और यह संस्था में सक्रिय कार्यकर्ता सदस्य हैं मौजूद युवा साथी अध्यक्ष आकाश गुप्ता,सचिव आशीष गुप्ता,उपाध्यक्ष स्वप्निल वर्मन,प्रशांत अग्रवाल,शिवम,समाजसेवी गौरव सिंह राजपूत मौजूद रहे।

कलेक्टर ने जौरा पहुंचकर सेक्टर ऑफीसरों को दिये कड़े निर्देश

चुनाव कार्य अधिकारी, कर्मचारियों के लिये सर्वोपरी - मुरैना कलेक्टर

मुरैना। जिले की पांच विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव की घोषणा होते ही सभी अधिकारी कर्मचारी इलेक्शन मोड पर आ जायेंगे। इसलिये चुनाव कार्य में समय पर उपस्थित होना एवं कार्य में तत्परता लाना अधिकारी कर्मचारियों के लिये सर्वोपरी रहेगा। ये निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा ने जौरा मुख्यालय पर नगर पालिका के सभागार में जौरा विधानसभा क्षेत्र के लिये बनाये गये 29 सेक्टर ऑफीसरों को दिये। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्री एल के पाण्डे, जनपद सीईओ श्री गिर्राज शर्मा, नायब तहसीलदार सुश्री कल्पना शर्मा सहित 29 सेक्टर ऑफीसर उपस्थित थे। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा ने कहा कि अधिकारी कर्मचारियों का निर्वाचन कार्य या अन्य महत्वपूर्ण कार्य में विलंब से पहुंचना मुझे कतई बर्दाश्त नहीं है। कार्य में विलंब से पहुंचना मेरे साथ नहीं चल सकेगा। जिस अधिकारी कर्मचारी को जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे प्राथमिकता के साथ समय पर पूर्ण करें। चुनाव जैसे कार्य में कोताही न बरतें। श्री वर्मा ने कहा कि सेक्टर ऑफीसर अपने अपने मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक मतदान केन्द्र पर पहुंचकर दो दो घण्टे बाद प्रतिशत की जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करानी होती है ऐसी स्थिति में किसी मतदान केन्द्र पर नेटवर्क न मिलने पर चुनाव जैसे कार्य में प्रतिशत नहीं पहुंचे तो असुविधा होगी। इसलिये प्रत्येक सेक्टर ऑफीसर प्रत्येक मतदान केन्द्र पर नेटवर्किंग का लोकेशन देखें और सेक्टर ऑफीसरों के जो दायित्व हैं उनका अध्ययन करें। सेक्टर ऑफीसर को इव्हीएम मशीन के खोलना, पैकिंग करना, बैटरी आदि लगाने एवं इव्हीएम को शुरू से अंत तक संचालन करने की विधि आनी चाहिये। भ्रमण के समय किसी भी मतदान केन्द्र की इव्हीएम बंद हो जाती है तो उस मतदान केन्द्र पर पहुंचकर इव्हीएम मशीन को किस प्रकार चालू किया जाये उसका संपूर्ण ज्ञान होना अतिआवश्यक है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वर्मा ने कहा कि सेक्टर ऑफीसर, रिटर्निंग ऑफीसर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के लिये आंख, नाक एवं कान होते हैं। चुनाव का संपूर्ण दायित्व सेक्टर ऑफीसर के उपर होता है। श्री वर्मा ने कहा कि सेक्टर ऑफीसर की पोलिंग पार्टी रवाना करते समय, चुनाव में संपूर्ण गतिविधियां एवं पोलिंग पार्टी वापिस आने के बाद सामग्री जमा करने तक जिम्मेदारी रहेगी। श्री वर्मा ने कहा कि सेक्टर ऑफीसर ईवीएम मशीन प्राप्त करते समय पोलिंग पार्टियों के साथ अतिरिक्त पोलिंग पार्टी, अतिरिक्त ईव्हीएम लेकर मतदान केन्द्र के लिये समस्त दलों के साथ वितरण सामग्री स्थल से रवाना होंगे। इसके बाद सेक्टर ऑफीसर अपने घर नहीं जायेंगे। सेक्टर ऑफीसर को जितने मतदान केन्द्र दिये गये हैं। उन्हीं मतदान केन्द्रों में से किसी एक मतदान केन्द्र पर रात्रि में ईव्हीएम लेकर रूकेंगे। इन समस्त गतिविधियों को देखने के लिये समस्त सेक्टर ऑफीसरों के वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगा रहेगा। उस सिस्टम के माध्यम से सेक्टर ऑफीसर के रूकने का स्थान आदि की लोकेशन प्राप्त होती रहेगी। वाहन कहीं खराब होता है वह भी जानकारी जीपीएस सिस्टम से जिला निर्वाचन को तत्काल मिलती रहेगी। उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्री एलके पाण्डे ने कहा कि सेक्टर ऑफीसर को पोलिंग पार्टीज के साथ मतदान केन्द्र के लिये जाना और सभी पोलिंग पार्टी मतदान केन्द्र पर पहुंचते ही ओके रिपोर्ट जिला निर्वाचन कार्यालय को दूरभाष पर देनी होगी। उन्होंने कहा कि सेक्टर ऑफीसर को अतिरिक्त ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट तथा चार बैटरी उपलब्ध कराई जायेंगी। जिनको मतदान केन्द्र के किसी भी मतदान केन्द्र पर ईव्हीएम की बैटरी खराब होती है या ईव्हीएम मशीन बैटरी वीक होने के कारण नहीं चलती है तब अतिरिक्त बैटरी को तत्काल उपलब्ध करायेंगे। उन्होंने कहा कि जब तक सेक्टर वाइज सभी मतदान केन्द्रों की पोलिंग पार्टी स्ट्रोंग रूम पर पहुंचकर सामग्री ईव्हीएम जमा कराने के पश्चात ही घर के लिये रवाना होंगे। चुनाव कार्य को प्राथमिकता दें।

बैठक के दौरान अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर दिये निर्देश

कलेक्टर ने बताया कि जौरा विधानसभा क्षेत्र में 2,44,129 मतदाताओं की संख्या है। कलेक्टर ने सीएमओ श्री बालकृष्ण गौरव को प्लांटेशन के निर्देश बैठक की समाप्ति के बाद दिये। उन्होंने एमएस रोड पर डिवाइडर के दोनों तरफ आवश्यक रूप से प्लांटेशन कराएं वहां पर मिट्टी एवं अन्य गंदगी को साफ कराएं तथा एमएस रोड पर पशुओं को हटाकर गौशाला भेजने की भी निर्देश दिये।

बाढ़ से प्रभावित सभी को दी जाएगी हर संभव राहत : मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री चौहान ने शाहगंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया, रेस्क्यू सेंटर पहुँचकर वितरित की खाद्यान्न सामग्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बाढ़ और अतिवर्षा से प्रभावित सभी परिवारों की हर संभव सहायता कर संकट से हर हाल में बाहर लेकर आएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान, आज सीहोर जिले के शाहगंज में सोमलवाढ़ा, बमोरी, देहरी, नानभेट बाढ़ प्रभावितों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा किसानों को आरबीसी 6(4) के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से भी मदद की जाएगी। प्रभावित परिवारों को गेहूँ के साथ 5 लीटर केरोसीन भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शाहगंज में बने रेस्क्यू सेंटर्स में पहुँच कर खाद्यान्न सामग्री वितरित की। इस अवसर पर विदिशा सांसद श्री रमाकांत भार्गव, जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्रामीणों से कहा कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार आपके साथ है, उन्होंने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता थी कि बाढ़ से किसी को जान का नुकसान नहीं हो। मैंने स्वयं रातभर जागकर राहत और बचाव कार्यों पर निगरानी रखी। प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और सेना से बात कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया। उन्होंने कहा कि उनके

पास हर क्षेत्र की जानकारी है और उन्होंने प्रशासन को सभी क्षेत्रों में तत्काल सर्वे कर मदद पहुँचाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहें नर्मदा की बाढ़ हो या नदी नालों की, धान और अन्य फसलों को हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। जिनके घरों को क्षति पहुँची है, उन्हें भी हरसंभव राहत दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कलेक्टर को निर्देश दिये कि बाढ़ से जिन घरों को नुकसान हुआ है, उन परिवारों को तत्काल आधा-आधा क्विंटल गेहूँ उपलब्ध कराएं। मुख्यमंत्री ने सभी बाढ़ प्रभावितों से अलग से भी बात की। शाहगंज में स्थापित रेस्क्यू सेंटर और तीन राहत शिविरों में भी मुख्यमंत्री पहुँचे, उन्होंने वहां खाद्य सामग्री वितरित की। उन्होंने आश्वस्त किया कि उनके पुनर्वास की सभी व्यवस्थाएँ की जाएंगी। सांसद श्री भार्गव ने भी सरकार के प्रयासों को सराहा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उन्होंने जब सरकार संभाली तब कोरोना का संकट था और इस संकट से लड़ने के कोई भी इंतजाम नहीं थे। अल्प समय में ही हमने न सिर्फ सुविधाओं की व्यवस्थाएं की और साथ ही कोरोना जांच को बढ़ाया जाकर रिकवरी रेट को भी काफी बढ़ाया है। इसी क्रम में अतिवृष्टि और बाढ़ के कारण आये संकट का भी हम बहुत जल्द समाधान कर लेंगे। सभी प्रभावित परिवारों एवं किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी बाढ़ पीड़ितों को आश्वस्त किया कि वह चिंता नहीं करे, प्रदेश सरकार द्वारा हरसंभव सहायता प्रदान की जायेगी। श्री चौहान ने कहा कि हमें एक बात का संतोष है कि इस बाढ़ के तांडव में किसी भी प्रकार से जनहानि नहीं हुई है। चिंता न करें किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है, प्रदेश सरकार आपके साथ खड़ी है।

लापरवाही और अनियमितता करने वाले दण्डित होंगे

भोपाल। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण (स्वतंत्र प्रभार) एवं नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही या गड़बड़ी करने वाले अधिकारी-कर्मचारी दंडित होने से बच नहीं सकते। गड़बड़ी करने वालों की रिटायरमेंट के बाद पेंशन बंद करने की कार्यवाही राज्य सरकार द्वारा की गई है। अधिकारी-कर्मचारी इस बात को ध्यान में रखें कि गड़बड़ी को कतई बर्दाश्त नहीं किया जायगा। मंत्री श्री कुशवाह बुधवार को नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के सभाकक्ष में इंदौर, उज्जैन, भोपाल और होशंगाबाद संभागों की विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि उद्यानिकी विभाग के अधिकारी महीने में एक बार आवश्यक तौर पर

संभागीय समीक्षा बैठक में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री कुशवाह

ब्लाक स्तर पर समीक्षा बैठक करें। बैठक में योजनावार समीक्षा की जाए और जहां स्थिति कमज़ोर है वहां का स्थल मुआयना कर कमी का पता लगाएं और उसे दूर करें। उन्होंने कहा कि ब्लाक स्तर की समीक्षा ठीक से करने पर ही संभागीय और राज्य स्तर की समीक्षा में सही और वास्तविक जानकारी प्रस्तुत की जा सकती है। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने योजनावार और जिलेवार लक्ष्यों में पिछड़ रहे जिले के अधिकारियों से जवाब तलब किया। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि फल, शाक-सब्जी की पैदावार की अनिश्चितता के कारण इनके विपणन की कोई ठोस कार्ययोजना पहले से नहीं होती। कई बार अधिकता में उत्पादित टमाटर, प्याज आदि को उत्पादक किसान लागत से कम मूल्य पर बेचने पर मजबूर होता है और कई बार उत्पाद खराब हो जाते हैं। इसका प्रमुख कारण है कि उद्यानिकी फसलों के बोए गए रकबे और अनुमानित उत्पादन की जानकारी नहीं होना है। इसके लिए अब उद्यानिकी विभाग जिलेवार आलू, प्याज, टमाटर उद्यानिकी आदि फसलों की गिरदावरी करेगा।

सर्वसुविधायुक्त हों सभी प्रोजेक्ट : नगरीय विकास मंत्री सिंह

मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल के कार्यों की समीक्षा में दिये निर्देश

भोपाल। मध्यप्रदेश गृह निर्माण मण्डल अब जो भी प्रोजेक्ट बनायें उनमें पार्क, खेल मैदान, सामुदायिक भवन, स्कूल, हॉस्पिटल और बस स्टाप के लिए जगह सुरक्षित रखें। सभी प्रोजेक्ट में सीवेज, सड़क और पानी की बेहतर व्यवस्था करें। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने यह निर्देश मध्यप्रदेश गृह निर्माण मण्डल के कार्यों की समीक्षा के दौरान दिये। श्री सिंह ने कहा कि रिक्त पदों में भर्ती की कार्यवाही करें। उन्होंने अटल आश्रय आवास योजना में चल रहे प्रोजेक्ट की अलग-अलग समीक्षा की। उन्होंने कहा कि एल.आई.जी. मकानों की बिक्री के सम्बन्ध में औचित्यपूर्ण प्रस्ताव बनायें। कोसमी बैतूल का प्रोजेक्टर दिसम्बर 2020 तक पूरा करें। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री ने प्रदेश में डिपाजिट वर्क सहित अन्य योजनाओं में चल रहे प्रोजेक्ट की समीक्षा के दौरान कहा कि प्रोजेक्ट वार कारण सहित यह जानकारी दें कि कार्य में विलंब क्यों हो रहा है। उन्होंने कहा कि सभी प्रोजेक्ट समय-सीमा में पूरे किये जाएं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सागर के दीनदयाल परिसर और दमोह में चल रहे कार्यों का निरीक्षण करेंगे। उन्होने कहा कि सभी प्रोजेक्ट में नागरिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। श्री सिंह ने भोपाल के गौरव एवं नेवरी आवास परिसर, कीलनदेव, सफायर पार्क सहित इंदौर, ग्वालियर, बुरहानपुर जबलपुर, रीवा, सतना, मैहर, सनावद, खंडवा, सागर, दमोह, बैतूल, ईशागढ़, मूंगावली, छिंदवाड़ा एवं अन्य जिलों में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। श्री सिंह ने कहा कि नये प्रोजेक्ट के साइट तलाशें, जहाँ काम हो सके। उन्होंने कहा कि नवगठित जिलों में भी मकानों का प्रोजेक्ट बनायें। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीतेश व्यास, आयुक्त म.प्र. गृह निर्माण मंडल श्री भरत यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गौशालाओं को प्रतिदिन प्रति गौ-वंश 20 रूपये की दर से ही मिल रही है राशि

भोपाल। मध्यप्रदेश गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश में गौशालाओं को प्रतिदिन 20 रूपये प्रति गौ-वंश के मान से ही राशि प्रदाय की जा रही है। मुख्यमंत्री गौसेवा योजना के अन्तर्गत गौशालाओं को दी जाने वाली आर्थिक सहायता का आदेश यथावत है। अप्रैल 2020 में प्रदेश की पंजीकृत गौशालाओं के गौवंश के चारे-भूसे के लिये 29 करोड़ 85 लाख रूपये की राशि जारी की जा चुकी है। इसके अलावा लगभग 28 करोड़ रूपये की राशि और जारी की जा रही है। गौशालाओं के गौवंश के चारा-भूसा अनुदान के लिये सरकार द्वारा किये गये बजट प्रावधान के अतिरिक्त भी यदि राशि की आवश्यकता होती है तो शासन द्वारा व्यवस्था की जाएगी। उपसंचालक राज्य गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड ने बताया कि मुख्यमंत्री गौसेवा योजना के तहत नवीन 1000 गौशालाओं के लिये

आवश्यकता होने पर अतिरिक्त राशि की व्यवस्था की जायेगी, चारा-भूसा के लिये रू. 29 करोड़ 85 लाख जारी

2 माह का चारा-भूसा अनुदान राशि 11 करोड़ 68 लाख रूपये कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला समितियों को पहले ही प्रदाय कर दी गई थी ताकि जिला प्रशासन को गौशाला संचालन प्रारंभ करवाने में कठिनाई न हो। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री गौसेवा योजना के तहत 1000 गौशालाओं का निर्माण कराया जा रहा है। इनमें से 700 गौशालाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष गौशालाएँ आगामी 2 माह में पूर्ण हो जाएंगी। उक्त 700 गौशालाओं में से 260 गौशालाओं का संचालन प्रारंभ हो चुका है, जिनमें लगभग 20 हजार गौवंश का व्यवस्थापन किया गया है। इसके अतिरिक्त 627 गौशालाएँ पहले से ही बोर्ड में पंजीकृत हैं जिनमें एक लाख 66 हजार गौवंश का पालन किया जा रहा है। वर्तमान में कुल 887 गौशालाएँ प्रदेश में संचालित हैं, जिनमें एक लाख 86 हजार गौवंश के लिये प्रतिदिन प्रति-गौवंश 20 रूपये की दर से राशि प्रदाय की जा रही है।

अनुसूचित जाति बाहुल्य बस्तियों के विकास पर इस वर्ष खर्च होंगे 80 करोड़

भोपाल। प्रदेश की अनुसूचित जाति बाहुल्य बस्तियों के अधोसंरचनात्मक विकास के लिये अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा योजना संचालित की जा रही है। इस वर्ष चयनित बस्तियों के विकास पर विभाग द्वारा 80 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। पिछले वर्ष इस योजना में 755 विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई थी। इनमें से 522 कार्य पूरा कर विभाग द्वारा करीब 51 लाख रुपये की राशि खर्च की गई। विभाग द्वारा अधोसंरचनात्मक विकास की योजना में संशोधन किया गया है। अनुसूचित जाति बस्तियों से आशय ऐसी बस्तियों से है जहाँ अनुसूचित जाति की जनसंख्या 40 प्रतिशत या उससे अधिक हो। ऐसी बस्तियों में विभाग द्वारा इस योजना में सीसी रोड, नाली निर्माण, मंगल भवन, हैण्डपम्प खनन, अनुसूचित जाति छात्रावासों से मुख्य सड़क तक पहुँच मार्ग का निर्माण कराये जाने का प्रावधान है। इस योजना में अनुसूचित जाति वर्ग की ऐसी बस्तियों में विद्युत लाईन के विस्तार का कार्य भी प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। जहाँ कि अनुसूचित जाति की बस्तियों में बिजली नहीं है। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के ऐसे लघु एवं सीमांत किसानों के खेतों में विद्युत लाईन का पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष इस योजना पर 200 करोड़ रुपये खर्च कर चयनित किसानों को लाभांवित किया जायेगा। विभाग द्वारा पिछले वर्ष योजना में 302 कार्य पूरे किये गये और इस पर विभाग द्वारा करीब 17 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई।

रेस्क्यू सेंटर में प्रभावितों को सभी सुविधायें उपलब्ध करायें : मुख्यमंत्री चौहान

शाहगंज में ली अधिकारियों की बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर के शाहगंज में बाढ़ पीड़ितों से चर्चा करने के उपरांत अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी रेस्क्यू सेंटर में बाढ़ से प्रभावितों के लिए यथा संभव सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। पहले घरों का फिर फसलों का सर्वे कराकर शीघ्र ही राहत राशि वितरण का कार्य प्रारंभ करना है। उन्होंने निर्देशित किया है कि सोयाबीन के साथ-साथ धान की फसल जो बाढ़ से प्रभावित हुई है उसका भी सर्वे किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अतिवर्षा से आई बाढ़ से हुए नुकसान को लेकर अधिकारियों की बैठक ली एवं

आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री अजय गुप्ता ने बताया कि बुदनी एवं नसरुल्लागंज विकासखंड में लगभग 8 हजार 300 घर बाढ़ की चपेट में आए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि घर के साथ-साथ कुएं जो धंस गए हैं, पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हो गई है आदि का भी सर्वे कराया जाएगा मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए कि जहां-जहां विद्युत लाईन प्रभावित हुई है वहां-वहां बिजली की व्यवस्था कराई जाए। बिजली के खंभे एवं लाईन की मरम्मत कराई जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली कि सड़क मार्ग एवं पुलिया कितने क्षतिग्रस्त हुए हैं। साथ ही निर्देशित किया कि जल्दी ही प्रस्ताव बनाकर भेजें जिससे राशि स्वीकृत कर मरम्मत कार्य जल्द से जल्द दुरुस्त कराया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आधा-आधा क्विंटल गेंहूँ हर घर को जल्द से जल्द वितरित कराया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि पानी को शुद्ध करने के लिए क्लोरीन की गोलियां, बुखार एवं मलेरिया की दवाईयांया एवं ओआरएस पावडर आदि वितरित किया जा रहा है। इस मौके पर संभाग आयुक्त श्री कवीन्द्र कियावत, आईजी, कलेक्टर श्री अजय गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री शशीन्द्र चौहान, क्षेत्रीय सांसद श्री रमाकांत भार्गव, श्री राजेन्द्र सिंह राजपूत, श्री रवि मालवीय, श्री रामनारायण साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीए

चीन का फिर धोखा

भारत इस समय चीन के साथ सीमा विवाद निपटाने को लेकर गंभीर है। इसलिए वह हर जतन कर रहा है। न चाहते हुए भी सैन्य स्तर की पांच बार बातचीत भी कर चुका है। सीमा पर चीन की हर चालबाजी को जानते हुए भी चुप है। वह इसलिए क्योंकि भारत की मंशा एलएसी पर शांति बनाए रखने की है। मगर चीन को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता दिख रहा है। गलवान घाटी में हिंसक झड़प के बाद अब उसने पेंगोंग झील के पास बदमाशी की है। पता चला है कि भारत और चीन के सैनिकों के बीच एक बार फिर झड़प हुई है। 29 अगस्त की रात यह झड़प पेंगोंग त्सो झील के पास हुई है। सरकार ने इस पर कहा है कि हमारे जांबाज जवानों ने चीनी सैनिकों की घुसपैठ को नाकाम कर दिया है। चीन 500 सैनिकों के साथ घुसपैठ करना चाहता था। भारतीय सेना के पीआरओ कर्नल अमन आनंद ने कहा, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के जवानों ने 29/30 अगस्त की रात को पूर्वी लद्दाख में चल रहे गतिरोध के दौरान दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करने के लिए हुई सैन्य और राजनयिक बातचीत का उल्लंघन किया और यथास्थिति को बदलने के लिए घुसपैठ की। इससे पहले भारत और चीनी सैनिकों के बीच 15 जून को गलवान घाटी में हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें भारत के 20 जवान शहीद हुए थे। इस झड़प में चीन के 43 सैनिक हताहत हुए थे। इसके बाद से दोनों देशों के बीच स्थिति सामान्य करने के लिए लगातार बात चल रही है, इसके बावजदू चीन अपनी आदत से बाज नहीं आया और उसने 29 अगस्त की रात को फिर तयशुदा सीमा से आगे बढने् की कोशिश की। चीन ने जिस इलाके पर अतिक्रमण करने का विफल प्रयास किया। वहां भारत ने 1990 के दशक के अंत में वार्ता के दौरान अपना दावा किया था। तब चीनी सेना ने यहां एक सड़क निर्माण कर कहा था कि यह अक्साई चीन का हिस्सा है जो उसके नियंत्रण में है। पेंगोंग झील या पेंगोंग त्सो लद्दाख में भारत-चीन सीमा क्षेत्र में स्थित है। यह 4350 मीटर की ऊंचाई पर स्थित 134 किलोमीटर लंबी है और लद्दाख से तिब्बत तक फैली हुई है। इस झील का 45 किलोमीटर क्षेत्र भारत में स्थित है जबकि 90 किलोमीटर क्षेत्र चीन में पड़ता है। वास्तविक नियंत्रण रेखा इस झील के मध्य से गुजरती है। ताजा घटना से चीन की चाल एक बार फिर पूरी दुनिया के सामने आ गई है। चीन की इस तरह की हरकत सिर्फ भारत को पीछे हटाने के लिए की है।

घिरे अर्थ-संकट के बादल

भारत की अर्थ-व्यवस्था अब अनर्थ-व्यवस्था बनती जा रही हैं। इससे बड़ा अनर्थ क्या होगा कि सारी दुनिया में सबसे ज्यादा गिरावट भारत की अर्थ-व्यवस्था में हुई है। कोरोना की महामारी से दुनिया के महाशक्ति राष्ट्रों के भी होश ठिकाने लगा दिए हैं लेकिन उनके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 10-15 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट नहीं आई है। ब्रिटेन की गिरावट 20 प्रतिशत है लेकिन हमने ब्रिटेन को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। अप्रैल से जून की तिमाही में हमारी गिरावट 23.9 प्रतिशत हो गई है। यह आंकड़ा राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान ने काफी खोज-बीन के बाद जारी किया है लेकिन जो छोटे-मोटे करोड़ों काम-धंधे गांवों में बंद हो गए हैं, लगभग 10 करोड़ लोग घर बैठ गए हैं और 2 करोड़ नौकरियां चली गई हैं, यदि इन सबको भी जोड़ लिया जाए तो इस संस्थान का आंकड़ा और भी भयावह हो सकता है। गिरावट की यह शुरुआत है। आगे आगे देखिए कि होता है क्या ? यह भी हो सकता है कि अन्य देशों के मुकाबले हमारी अर्थ-व्यवस्था तेज रफ्तार पकड़ ले और कुछ महिनों में ही गाड़ी पटरी पर लौट आए। अभी तो इतनी गिरावट है, जितनी कि पिछले 40 साल में कभी नहीं हुई। अर्थ-संकट के घने बादल घिर रहे हैं। संतोष का विषय है कि खेती में इसी अवधि में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। याने भारत को अपनी भूख मिटाने के लिए किसी के आगे हाथ फैलाने की जरुरत नहीं होगी। लेकिन आम लोगों में पैसों की किल्लत इस कदर हो गई है कि उनकी खरीददारी 54.3 प्रतिशत गिर गई है याने लोग 'आधी और रुखी भली, पूरी सो संताप' से ही काम चला रहे हैं। बाजार खुल गए हैं लेकिन ग्राहक कहां हैं ? कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। अब वह गांवों में भी फैलने लगा है। डर के मारे लोग घरों में दुबके हुए हैं। बड़े-बड़े कारखाने फिर खुल रहे हैं लेकिन उनकी बनाई चीजें खरीदेगा कौन ? राज्य सरकारें अपनी जीएसटी राशि के लिए चीख रही हैं। केंद्र सरकार ने देश के वंचितों और गरीबों को कुछ राहत जरुर दी है लेकिन वह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। इस वक्त जरुरत तो यह है कि लोगों के हाथ में कुछ पैसा पहुंचे ताकि देश में खरीददारी बढ़े। संकट का यह काफी खतरनाक समय है। सिर्फ लफ्फाजी से काम नहीं चलेगा। सरकार को जो करना है, वह तो वह करेगी ही लेकिन देश में 15-20 करोड़ लोग ऐसे जरुर हैं, जो अपने करोड़ों साथी नागरिकों की मदद कर सकते हैं।

देश में डेवलपमेंट

ईमानदार आदमी सस्पेंड हो रहा है।
चमचों का काम अर्जेंट हो रहा है।
चमचागिरी करने वाला परमानेंट हो रहा है।
गरीब बेचारा साइलेंट हो रहा है।
देश में डेवलपमेंट हो रहा है।

दफ्तरों में काम मसलने में रिफ्रेशमेंट हो रहा है।
चपरासी भी आज ज्यादा इंटेलिजेंट हो रहा है।
घुस के लिए पहले ही एग्रीमेंट हो रहा है।
पैसों के सहारे ट्रीटमेंट हो रहा है।
देश में डेवलपमेंट हो रहा है।

दूसरों को समझे पजामा खुद पेंट हो रहा है।
दो क्लास पढ़कर आदमी इंपॉर्टेंट हो रहा है।
फेल हो या पास ऊंचा इम्प्रोमेंट हो रहा है।
जैक, चैक से काम सौ पर्सेंट हो रहा है।
देश में डेवलपमेंट हो रहा है।

चुनाव के समय मंत्री जनता का सर्वेंट हो रहा है।
कुर्सी खाली नहीं पर एडजस्टमेंट हो रहा है।
खाना है जितना जल्दी खाले रिटायरमेंट हो रहा है।
फिर चिंता किस बात की घर बैठे पेमेंट हो रहा है।
देश में डेवलपमेंट हो रहा है

सिनेमाघर आज बस स्टैंड हो रहा है।
ट्रैफिक की सुविधा नहीं एक्सीडेंट हो रहा है।
बस इतना ही कहना है मेरे यारो,
अब मामला एंड हो रहा है।
देश में डेवलपमेंट हो रहा है।

रचनाकार- ढाकराराम प्रजापत
अध्यापक- राजकीय प्राथमिक विद्यालय आकल की ढाणी,
जिला- बाड़मेर, राजस्थान मोबाइल नंबर- 9680775712ङ

दुनिया

यह दुनिया मेला है
लोगों का रेला है
रिश्तों का झमेला है
फिर भी
हर कोई अकेला है 77
परिवार तो हैं पर आत्मीयता नहीं
त्योहर तो है पर भावना नहीं
रिश्ते तो हैं पर मिठास नहीं
जी तो रहे हैं सभी
पर जीवन कहाँ .....
घर आँगन बिखरे
रिश्ते नाते बिसरे
बस टीस मारती है तन्हाई
और रिसते ज़ख्म
टूटे तार सभी जीने के
खटास भरी इतनी रिश्तों
में खोयी सारी मिठास
सुनते थे खट्टे - मीठे पल
होते ज़रूरी जीवन में ...
पर आज तो बची है
सिर्फ नीरसता , कड़वाहट , दर्द
ख़ामोशी और तन्हाईयाँ ....
यह दुनिया मेला है
लोगों का रेला है
रिश्तों का झमेला है
फिर भी
हर कोई अकेला है

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा

रचना

बढ़ने लगे हों जब धरा पर,
दानवों से आचरण!
कोविद मनीषी के प्रदूषित,
हो गए वातावरण!!

अन्याय धरती के निवासी,
के प्रकृति सहने लगे!
निर्झर सरित सर ताल में यदि,
गंदगी बहने लगे!!

....

उत्कर्ष वैभव जंगलों का,
मान जब खोने लगे!
पशु पक्षियों के सुर मधुर चिर,
नींद में सोने लगे!!

बसुधा निरंतर मानवों के,
कर्म से होती दुखी!
फिर दिव्यता ले जन्म आती,
है मही करने सुखी!!

....

वह ही महामानव धरा के,
मूल्य की रक्षा करे!
संदेश दे मानव हितों के,
जागरूकता वो भरे!!

आँसू नहीं बसुधा बहाए,
ध्यान होना चाहिए!
कर्तव्य के प्रति हम सभी को,
ज्ञान होना चाहिए!!

विकास शुक्ल प्रचण्ड
शिवपुरी मध्यप्रदेश 9993551910

गुरु महिमा की कविताएँ

गुरु सब धन की खान रे

गुरु से शिक्षा गुरु से दीक्षा, गुरु सब धन की खान रे ।
गुरु जैसा नहिं दूजा कोई, बात हमारी मान रे ।।
गुरु के चरणों में जन्नत है, मुख पर वेद पुरान रे ।
शास्त्र शस्त्र विज्ञान ध्यान सब, गुरुवर की पहचान रे ।।

जो भी गुरु के द्वारे आता, बन जाता विद्वान रे ।
साधारण प्राणी पा जाता, विद्या धन का दान रे ।।
गुरु की महिमा धरती जैसी, जाने सकल जहान रे ।
ज्ञान हेतु हरि गुरु घर आते, जिसने रचा विधान रे ।।

तमस रात्रि में अरुणोदय बन, लाते यही विहान रे ।
कोई कितना भी ऊँचा हो, गुरुवर प्रमुख महान रे ।।
इधर उधर मत भटको बंदे, गुरु से ही कल्यान रे ।
ईश्वर से पहले गुरु पूजें, जै जै कृपा निधान रे।।

गुरु महिमा

गुरु महिमा सबसे बड़ी, गुरु से बड़ा न कोय द्य
गुरु बिनु ज्ञान मिले नहीं, सो गुरु पूजन होय द्यद्य

जिनको सच्चा गुरु मिले, मिले ज्ञान की खान द्य
गुरु अरु माता एक सम, दोनों ईश समान द्यद्य

गुरु पद रज को शीश धर, जप लो गुरु का नाम द्य
बात अवध की मान लो, सुधरेंगे हर काम द्यद्य

जो कुछ सीखे हो सखे, सब गुरु का ही ज्ञान द्य
गुरु ही गुण की खान हैं, लो गुरु को सब मान द्यद्य

गुरु को पहले याद कर, पूजो उनके पाँव द्य
गुरु की महिमा जो मिले, मिले परम शुचि ठाँव द्यद्य

गुरु

गुरु से गणना गुरु से गिनती,
गुरु से रस छंद समास सभी।
गुरु से रसआयन भौतिक भी,
गुरु शिक्षक शीर्ष समाज सभी।।
गुरु नैतिक अर्थ सुपथ्य कला,
सुर काव्य खगोल पुराण सभी।
गुरु ईश्वर हैं अरु ईश गुरू,
गुरु से गण ज्ञान विधान सभी।।

गुरु के पग में सुख धाम रहे,
सब लोग कहें यह पावन है।
हम नेक बने तज टेक सभी,
गुरु ज्ञान सखे मनभावन है।।
शुभ लग्न भयो गुरु आन मिले,
यह काल सुकाल कहावन है।
गुरु साथ मिला,मन फूल खिला,
हिय ज्ञान प्रकाश सुहावन है।।

गुरु से नभ है गुरु से वसुधा,
गुरु से यह सूरज चाँद रहे।
गुरु से गिरि हैं गुरु से सरिता,
गुरु से सचराचर ज्ञान बहे।।
गुरु रूठ गये जग सून भयो,
हरि छोड़त हाथ अनाथ कहे।
अवधेश सनेह मिले गुरु तो,
भगवान हुलासहिं गोद गहे।।

डॉ अवधेश कुमार अवध
मेघालय - 8787573644

एक पुराना पेड

अकेला पेड खड़ा है एक पुराने पार्क में,
एहसासों का आलिंगन समेटे अपने आप मे,

अब पहले सा कोई इसके पास आता नही है।
शुखे पेड का आलिंगन किसी को भाता नही है।।

ना जाने कितने थके लोगो ने इसकी आगोश में आराम किया है।
उसी पुराने एहसास ने इसे बार - बार बहुत परेशान किया है।।

ना जाने कितने झूलो को खुद पर टांग कर बच्चो को झुलाया है।
उन एहसान फरामोश लोगो के ये शुखने के बाद भी काम आया है।।

घनी सर्दियों की ठिठुरन को इसने उनसे दूर किया है।
खुद जलकर उनकी सर्द रातो को भी गर्म किया है।।

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश).
मोबाइल 09582488698

चीन से हमारे रिश्तें

गलवन में हमारे 20 बहादुर जवानों के बलिदान ने समूचे देश को गुस्से से भर दिया है। इस घटना से हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान को चोट पहुंची है। अब भारत चीन के दुस्साहस का जवाब कैसे देता है, यह न केवल हमारे लिए महत्वपूर्ण होगा, बल्कि विश्व व्यवस्था पर भी अपना प्रभाव छोड़ेगा। मौजूदा समय में हमारे पास तीन रणनीतिक विकल्प हैं। पहला, हम दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प के साथ चीन का डटकर मुकाबला करने का निश्चय करें और युद्ध छोड़कर सभी उपलब्ध राजनीतिक एवं कूटनीतिक विकल्पों का उपयोग करें। दूसरा, हम अपने राष्ट्रीय स्वाभिमान की कीमत पर गैर-बराबरी वाले कथित दोस्ताना रिश्तों के झूले पर झूलते रहें और शांत बैठ जाएं। युद्ध में कूदने का तीसरा रास्ता 21वीं शताब्दी के इस परमाणु युग में हमारा अंतिम विकल्प ही हो सकता है। इससे पहले कि हम तीन विकल्पों में से कोई एक चुनें, कुछ मूलभूत बातें समझना आवश्यक है। डोकलाम से गलवन तक चीन की मंशा लगभग एक जैसी रही है। डोकलाम संकट के दौरान मैंने चेताया था कि डोकलाम भारत और बाकी दुनिया के प्रति चीन की नई नीति का सूचक है, क्योंकि शी चिनफिंग का लक्ष्य राष्ट्रवादी उन्माद के सहारे खुद को माओ के समकक्ष खड़ा करना है। चीन को अपनी अर्थव्यवस्था की तेजी बनाए रखने के लिए ऐसे दोस्ताना विकासशील बाजारों की जरूरत है जहां उसके सरकारी बैंक बड़े पैमाने पर ऋण दे सकें।

चूंकि विदेशी बाजारों में पैर पसारना चीन के आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है इसलिए उसने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के जाल में तमाम अफ्रीकी और एशियाई देशों को फंसाया। बीते तीन वर्षों में चीन की इस पहल में शामिल देशों की संख्या सौ के करीब पहुंच गई है। इनमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल भी हैं। चीन की इस पहल से विकासशील देशों पर चीनी कर्ज का बोझ बढ़ा है और वे पूरी तरह उसके दबाव में आ गए हैं। चीन अपने अधिकांश पड़ोसियों को नाराज करने का भी कोई मौका नहीं छोड़ रहा है।

चीन की चुनौती स्वीकार ----
==================

वह दक्षिण चीन सागर में वियतनाम, मलेशिया, ब्रूनेई, इंडोनेशिया, फिलीपींस और हिमालय की चोटियों में भारत को ललकार रहा। वह अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों जापान और ताइवान की संप्रभुता पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा और दक्षिण कोरिया एवं ऑस्ट्रेलिया जैसे स्वतंत्र सोच वाले देशों से तकरार बढ़ा रहा। इसका मकसद साफ है। चीन अब खुद को सबसे बड़ी वैश्विक ताकत के तौर पर देखता है और इसीलिए वह समय-समय पर संदेश देता है कि या तो उसकी शर्तों पर समझौता करो या उसकी चुनौती स्वीकार करो। अमेरिका और अन्य कई देश चीन के आक्रामक तेवरों पर गंभीर चिंता व्यक्त कर चुके हैं। अमेरिका चीन से व्यापार युद्ध लड़ रहा है और लगता है कि नए शीत युद्ध का बिगुल बजने को है। 20वीं शताब्दी के शीत युद्ध में भारत के पास तटस्थ रहने की गुंजाइश थी, लेकिन चीन का पड़ोसी होने के कारण हमें 21वीं सदी के इस संभावित शीत युद्ध में न चाहते हुए भी बड़ी भूमिका निभानी होगी। चीन की विस्तारवादी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने एवं शक्ति संतुलन के लिए भारत को पहल करनी होगी। दुर्भाग्य से चीन जब अपने खतरनाक कदम बढ़ा रहा था तब हमारी विदेश नीति में दूरगामी सोच का अभाव दिखा। घरेलू राजनीति के चलते इस दौर में विदेश नीति केवल पाकिस्तान के इर्दगिर्द ही घूमती दिखाई दी। हम यह भूल गए कि पाकिस्तान चीन का पिट्ठू बन चुका है। इसकी गवाही चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा है जो खैबर दर्रे से शुरू होकर और गिलगिट-बाल्टिस्तान से होते हुए ग्वादर बंदरगाह पर खत्म होगा। निस्संदेह भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका से रिश्तों की गहराई बढ़ाई है, लेकिन इसका भी प्रयास किया है कि उसके साथ रिश्ते चीन से रिश्तों को प्रभावित न करें। अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप सभा हुई तो शी चिनफिंग भी वहीं झूला झूले, लेकिन अब चीन ने यह साबित कर दिया कि वह मित्रता की भाषा नहीं समझता। हमारी ढुलमुल नीति के कारण पड़ोसी देशों के साथ हमारे रिश्ते बिगड़ते गए। अब नेपाल हमारे सदाबहार दोस्त की सूची में नहीं। श्रीलंका और बांग्लादेश पर भी चीन का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। म्यांमार के साथ अलग तरह की चुनौतियां है। भूटान दोस्त तो है पर उसकी अपनी मजबूरियां हैं। यह स्थिति विदेश नीति की सफलता की सूचक नहीं हो सकती। भारत जैसा देश अपने राष्ट्रीय स्वाभिमान और संप्रभुता से समझौता नहीं कर सकता। समय आ गया है कि राष्ट्रीय संकल्प और स्पष्ट दीर्घकालिक सोच के साथ हर मोर्चे पर चीन से मुकाबले की तैयारी की जाए। इसके लिए भावनाओं के ज्वार पर नहीं, बल्कि र्आिथक विकल्पों पर आधारित तार्किक एवं ठोस रणनीति की जरूरत है। चीन में बने टीवी सेट और मोबाइल तोड़ने से हमारा लक्ष्य हासिल नहीं होगा । जरूरी है कि हमारा नेतृत्व ऐसे ठोस रणनीतिक और सामरिक समाधान दे जिससे चीन का मुगालता दूर हो और उसे सबक मिले कि शांति भंग करने की क्या कीमत हो सकती है? सबसे पहले हमें अपने पास-पड़ोस में समर्थन को मजबूत करना होगा। हमें क्वॉड जैसी पहल को भी तेज करना होगा। भारत ने जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के साथ 2007 में क्वॉड की शुरुआत की थी। इसमें ज्यादा प्रगति नहीं हुई है। हमें क्वॉड को नाटो की तरह सामूहिक रक्षा ढांचे पर संगठित करना होगा जिसमें एक देश पर आक्रमण सभी देशों पर आक्रमण माना जाता है और सदस्य देशों की रक्षा करना सबकी जिम्मेदारी होती है। क्वॉड की सदस्यता भी बढ़ाई जानी चाहिए। वियतनाम इसमें शामिल होने का इच्छुक है। मलेशिया की भी इसमें दिलचस्पी हो सकती है। भारत को जी-11 का सदस्य बनाने की अमेरिका की पहल का समर्थन करना चाहिए। साथ ही हमें इतिहास के पहिए को वापस घुमाते हुए इंदिरा युग की तरह रूस से रिश्तों को मजबूत करना चाहिए। इस चुनौतीपूर्ण समय में रूस के समर्थन की कमी सबसे ज्यादा महसूस हो रही है। रूस तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में महत्वपूर्ण आवाज होगा। मैं भारत के अमेरिकी नेतृत्व वाले मंच में एक समर्पित सदस्य के रूप में शामिल होने की हिमायत नहीं कर रहा हूं, बल्कि चीनी दुस्साहस को मात देने के लिए किसी दूसरी ताकत पर पूर्ण निर्भरता राष्ट्रहित में नहीं, लेकिन हम उन देशों का साथ लेने में परहेज कदापि न करें जिनके हित हमारे हितों से मेल खाते हैं।

हैकबेरी में ब्रैडले बीयर्ड अपने क्षतिग्रस्त घर में पानी बंद करने के वाल्व की तलाश करते हुए।

'अल्कोलॉक्स' से रुकेंगे हादसे, वाहन चालक ने ज्यादा शराब पी होगी तो स्टार्ट ही नहीं होगा इंजन

लंदन। सड़क दुर्घटनाओं की एक बड़ी वजह शराब पीकर गाड़ी चलाना है। ब्रिटेन में शराब पीकर वाहन चलाने के चलते होने वाली घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष तरीका अपनाने की योजना बनाई गई है। ऐसे मामलों में दोषी पाए गए लोगों की कारों में ब्रेथ एनालाइजर उपकरण 'अल्कोलॉक्स' लगाया जाएगा। यह ऐसा उपकरण है, जिसे वाहन में लगाने के बाद यदि ड्राइवर ने शराब पी होगी तो वाहन चालू ही नहीं होगा। अल्कोलॉक्स को औपचारिक रूप से अल्कोहल इग्निशिन इंटरलॉक्स के नाम से जाना जाता है। यह परंपरागत ब्रेथ एनालाइजर की तरह ही काम करता है। यदि वाहन चालक में शराब की पुष्टि होती है तो सिस्टम 24 घंटे तक वाहन के इंजन को लॉक कर सकता है। निर्धारित सीमा से अधिक होने पर वाहन तब तक स्टार्ट नहीं होगा, जब तक की अगली बार शराब की सीमा कम नहीं आती है। शराब पीकर दुर्घटना के दोषी कार चालकों की कारों में यह उपकरण लगाया जाएगा। उन्हें कार स्टार्ट करने से पूर्व ब्रेथ टेस्ट देना होगा। ब्रिटेन की सड़कों पर शराब पीकर वाहन चलाने और दुर्घटना करने के मामलों में 3 फीसदी की बढोतरी दर्ज की गई है। जिसके बाद यह कदम उठाया गया है। कार चालक को कार में बैठने के बाद अल्कोलॉक में फूंक मारनी होगी, फूंक मारने से अल्कोहल के स्तर की जांच हो जाएगी। इस टेस्ट के बाद यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वाहन को शुरू किया जा सकता है या नहीं। यदि अल्कोहल का स्तर निर्धारित सीमा के नीचे है तो वाहन स्टार्ट हो जाएगा। लेकिन अगर विश्लेषण में आया कि वाहन चालक ने ज्यादा शराब पी रखी है, जो गाड़ी चलाने के लिहाज से खतरनाक है, तो कार का इंजन लाक हो जाएगा और बाद में फिर ऐसे ही परीक्षण से गुजरने के बाद ही इंजन स्टार्ट किया जा सकेगा।

तस्करी के मामले बढ़ते देख कोरोनाकाल में भूटान ने अस्थाई रूप से हटाया तंबाकू पर से प्रतिबंध

थिम्पू। भूटान ने अब कोरोना महामारी की वजह से तम्बाकू से प्रतिबंध हटाने का निर्णय लिया है। धूम्रपान को ज्यादातर बौद्ध देशों में पाप माना जाता है। यहां माना जाता है कि तम्बाकू का पौधा एक दानव के रक्त से विकसित हुआ है। लगभग 7 लाख 50 हजार की आबादी वाले इस देश ने 2010 में तंबाकू की बिक्री, निर्माण और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन धूम्रपान करने वालों को भारी शुल्क और करों का भुगतान करने के बाद तम्बाकू उत्पादों की नियंत्रित मात्रा में आयात करने की अनुमति दी गई थी, जिससे भारत से सटी सीमा पर तस्करी करके लाए जा रहे सिगरेट के काले बाजार को फलने फूलने का मौक़ा मिला।

महामारी के कारण भूटान ने इस साल की शुरुआत में भारत के साथ लगी अपनी सीमाओं को बंद कर दिया था। भारत में कोरोना संक्रमण के लगभग 35 लाख मामले है, जबकि भूटान में मात्र 200 मामले दर्ज किए गए हैं। कोरोना के कारण सीमा सील होने के चलते भूटान में तम्बाकू के तस्करों का घुसना बंद है इसलिए भूटान में तम्बाकू के दाम चार गुना बढ़ गए हैं। इस दौरान कुछ लोग भूटान के अंदर घुसने में सफल रहे। ऐसे में एक भूटानी वर्कर जो भारत से आये सामन की देखभाल का काम करता था, उसे भूटान के सीमावर्ती शहर में कोरोना पॉजिटिव पाया गया है।

इस घटना से भूटान के प्रधानमंत्री और योग्य चिकित्स्क लोटे त्शेरिंग को इस मुद्दे पर दोबारा विचार करना पड़ा। उनके प्रशासन ने सिगरेट की मांग के चलते तंबाकू की बिक्री पर लगे 10 साल पुराने प्रतिबंध को हटा दिया साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्णय अस्थायी है। प्रशासन ने यह माना है कि जो लोग तम्बाकू पीने के आदी हैं और घरों में बंद हैं उनके लिए यह तनाव का कारण बन सकता है। राष्टीय मीडिया के लिए काम करने वाले 35 साल के रिग्याल चौफेल बहुत लम्बे समय से सिगरेट पी रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियमों में ढील से उन्हें बहुत राहत पहुंची है।

कोरोना के कारण बांग्लादेश में तीन अक्टूबर तक नहीं खुलेंगे शैक्षणिक संस्थान

ढाका। कोरोना वायरस महामारी के चलते बांग्लादेश ने शैक्षणिक संस्थानों को तीन अक्टूबर तक बंद रखने का फैसला किया है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा मदरसों को हालांकि इससे छूट रहेगी। मार्च में देश में कोविड-19 का पहला मामला सामने आने के बाद से ही देश में विद्यालयों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों को बंद रखने का आदेश दिया गया था। बाद में शैक्षणिक संस्थाओं को बंद रखने की अवधि को कई बाद बढ़ाया गया। शिक्षा मंत्रालय ने कहा कौमी मदरसों को छोड़कर सभी शिक्षण संस्थाओं में छुट्टियों को वैश्विक कोरोना वायरस महामारी के कारण तीन अक्टूबर तक बढ़ाया जाता है। कौमी मदरसे बिना सरकारी निगरानी, पर्यवेक्षण या सहायता के संचालित होते हैं। उनका संचालन अधिकतर निजी दान से होता है।

अश्वेत को गोली मारने के विरोध में अमेरिका में सड़कों पर उतरे लोग, न्याय बिना शांति नहीं के नारे लगाए

न्यूयार्क। अमेरिका के विस्कॉन्सिन में एक अदालत के बाहर शनिवार को लगभग एक हजार प्रदर्शनकारियों की भीड़ एकत्र हो गई और उन्होंने एक व्यक्ति एक मत तथा न्याय बिना शांति नहीं के नारे लगाए। पुलिस के एक अधिकारी ने एक सप्ताह पहले जैकब ब्लेक नामक अश्वेत व्यक्ति को पीठ में गोली मार दी थी जिससे वह अपंग हो गया था। इसके बाद से एक बार लोगों ने फिर से प्रदर्शन शुरु कर दिए हैं।प्रदर्शनकारी केनोशा स्थित अदालत परिसर की ओर बढ़ते हुए सात गोली, सात दिन का नारा भी लगा रहे थे। गौरतलब है कि ब्लेक को सात दिन पहले सात गोलियां मारी गई थीं। प्रदर्शनकारियों में शामिल ब्लेक के पिता ब्लेक सीनियर ने व्यवस्था को पुलिस की बर्बरता और नस्लीय भेदभाव को बढ़ावा देने वाला बताया तथा बदलाव का आह्वान किया। उन्होंने कहा उनके पुत्र को दर्द निवारक दवाइयां दी गई हैं अब वह होश में है। उन्होंने कहा, वह बहुत दर्द में है। चक्रवात से हुई तबाही का जायजा लेने के लिए शनिवार को टेक्सास पहुंचे राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप से जब संवाददाताओं ने पूछा कि क्या वह केनोशा जाएंगे तो उन्होंने कहा, संभव है। उन्होंने हालांकि इस संबंध में विस्तार से कुछ नहीं बताया।

बर्लिन में जर्मनी सरकार के कोरोना महामारी से निपटने के तरीके के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग।

लीबिया में प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के आदेश के बाद गृहमंत्री हुए बर्खास्त

त्रिपोली। लीबिया के गृहमंत्री को प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवाने के लिए बर्खास्त कर दिया गया है। त्रिपोली की सरकार का कहना है कि फाथी बाशघा द्वारा प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवाने के मामले की 72 घंटे के अंदर पड़ताल की जाएगी। खबर के अनुसार यह पहल प्रधानमंत्री फैयाज अल-सराज और गृहमंत्री फाथी बसहागा के बीच बढ़ रहे मतभेदों के चलते ली गई है। फाथी का प्रभाव पोर्ट सिटी और सेना के बेस वाले इलाके मिसराता में काफी ज्यादा है। शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में जनरल नेशनल एसेंबली ने कहा कि बाशघा को अभी अस्थायी तौर पर बर्खास्त किया गया है। बाशघा को त्रिपोली और दूसरे शहरों में हुए प्रदर्शन के दौरान उनके द्वारा दिए गए बयानों के आधार जांच चलाई जाएगी। जनरल नेशनल एसेंबली के अनुसार बाशघा से इसके बारे में पूछा जाएगा कि सुरक्षा प्रबंधों को प्रदर्शनकारियों के साथ हिंसा करने की इजाजत क्यों दी गई? बाशघा को वर्ष 2018 में त्रिपोली में आक्रामणकारी रवैयों को शांत करने के लिए 14 महीने के लिए एक प्रमुख भूमिका के लिए नामांकित किया गया था।

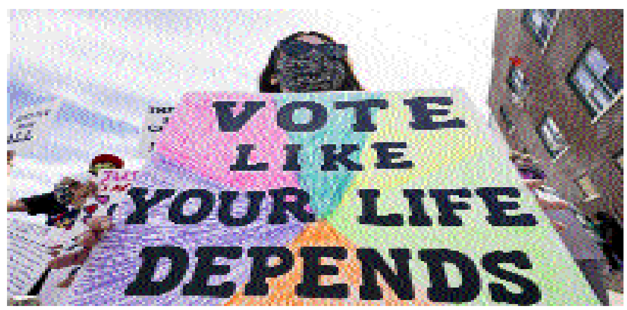

केनोसा में जैकब ब्लैक के पक्ष में वोट की अपील करती हुई अमांडा बेकर।

एक सितंबर को धरती के करीब से गुजरेगा एस्टेरॉयड, पृथ्वी से टकराने का खतरा नहीं

वॉशिंगटन। आने वाली एक तारीख यानी 1 सितंबर को 20-40 मीटर चौड़ा एस्टरॉइड 2011इएस4 धरती के करीब से 1 सितंबर को गुजरेगा। इसकी धरती से दूरी फिलहाल 1।2 लाख किलोमीटर आंकी गई है यानी यह धरती और चांद के बीच में काफी करीब होगा। यह दूरी वैसे तो काफी कम है, लेकिन इसके धरती से टकराने की संभावना न के बराबर है। यह ऐस्टरॉइड 2011 में खोजा गया था और तब सिर्फ 4 दिन के लिए इसे देखा गया था। यह अपना एक चक्कर पूरा करने में 1।14 साल लगाता है। धरती के साथ इसकी कक्षा 9 साल में सिर्फ एक बार इसे हमारे करीब लाती है। हालांकि, इसका रास्ता फिर भी काफी अलग होगा और इससे पृथ्वी या पृथ्वी की किसी आर्टिफिशल सैटलाइट को खतरा नहीं है।

कुछ दिन पहले अमेरिका के राष्टपति चुनाव से एक दिन पहले 2 नवंबर को ऐस्टरॉइड 2018 वीपी1 के धरती से टकराने की आशंका जताई गई थी। इस एस्टरॉइड के धरती से टकराने की संभावना 0।41त्न है। हालांकि, बावजूद इससे नुकसान का खतरा नहीं है। दरअसल, कार के आकार का यह ऐस्टरॉइड इतना छोटा है कि वायुमंडल में प्रवेश करते ही यह टूटकर जल जाएगा और धरती पर धूल बनकर गिर जाएगा। नासा की सेंट्री रिस्क टेबल में ऐसे खतरनाक एस्टरॉयड पर नजर रखी जाती है, ताकि भविष्य में इनसे होने वाले खतरे से बचा जा सके। इसमें आने वाले 100 सालों के लिए फिलहाल 22 ऐसे एस्टरॉइड्स हैं, जिनके पृथ्वी से टकराने की संभावना है। धरती को सबसे ज्यादा खतरा अगर किसी एस्टरॉइड से है, तो वह है 29075 1950 डीएआई यह एस्टरॉयड एक किलोमीटर चौड़ा है, जिसे पोस्टेशियली हैजार्डस एस्टेरायड (पीएचए) की श्रेणी में रखा गया है।

ब्रिटेन में ब्रेस्ट कैंसर पीड़िता ने पहले बेटे को डुबोकर मार डाला, फिर किया सुसाइड

लंदन। ब्रिटेन में एक रूसी फाइनेंसर ने खुदकुशी कर ली है। कहा जा रहा है कि स्तन कैंसर से पीड़ित यूलिया गोक्सेडैग ने सुसाइड करने से पहले अपने सात साल के बेटे को डुबोकर मार दिया। मेट्रोपोलिटेन पुलिस के अनुसार 35 वर्षीय यूलिया और उसका बेटा तिमुर बीते 12 अगस्त से लापता थे। पुलिस को दोनों के लापता होने की चिंता थी और वे उसे ढूंढने में जुटी थी, बाद में उसकी लाश उसके घर में फंदे से लटकी हुई मिली। यूलिया और उसके बेटे तिमुर की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ गई। यूलिया की रिपोर्ट में फांसी लगाने से मौत वजह बताई गई जबकि बेटे की रिपोर्ट में डूबने से मौत का जिक्र किया गया है। यूलिया के दोस्त और पूर्व सहयोगी अग्निऐस्जका लियोनोविक्ज ने बताया कि वह स्तन कैंसर से पीड़ित थी, लेकिन वह बढ़िया काम कर रही थी। हालांकि, उसके पड़ोसी ने बताया कि मैंने उसे कुछ साल पहले अवसादग्रस्त हालत में देखा था। यूलिया के एक दूसरे पड़ोसी ने बतया कि मुझे पता था कि वह स्तन कैंसर से पीड़ित थी। यह बहुत दुखदायी है।

खंडहर होतीं बेशकीमती धरोहरें

भारत की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहर, दुनिया में किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं लेकिन यहां की सरकार और जनता की उपेक्षा के चलते ये विश्व संस्थाओं की शरण में जाने को मजबूर हो गयी हैं। देश की जो धरोहरें अनादि काल से देश की पहचान हैं आज वे यूनेस्को से अपनी पहचान का दर्जा हासिल करने की जद्दोजेहद में लगी है। यहां भी सरकारी बाबुओं की लाल फीताशाही, धरोहरों की राह में साधक नहीं बल्कि बाधक बन रही है। बात अब अजंता एलोरा, खजुराहो, ताज महल और नालंदा से आगे जा चुकी है। ये तो महज ऐतिहासिक स्थल हैं जिन्हें विश्व संस्थाओं ने इनके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए विरासत का दर्जा दे दिया है। मगर अब संघर्ष बनारस और दिल्ली जैसे शहरों के लिए चल रहा है जो तारीख और तहजीब की समृद्ध विरासत को अपनी आंगन में समेटे हुए हैं।

खासियतें खींचती हैं दुनिया को

भारत में खान पान हो, रहन सहन या फिर तीज त्यौहार और रस्म अदावतें, सब धरोहर की तरह पीढ़ी दर पीढ़ी सदियों से समाज की ओर से आगे बढ़ रही है। लखनऊ की नफासत, बनारस की अदावत या दिल्ली की शान ओ शौकत से लबरेज तहजीब, सब का अंदाज ए बयां कुछ और ही है। ये इतिहास का अकाट्य सत्य है कि अपनी सभ्यता संस्कृति से बेइंतहा मोहब्बत करने वाले भारतीय लोगों में अतीत की विरासत से रूबरू कराती धरोहरों के लिए खास लगाव नहीं है। यही वजह है कि जनता के संस्कारों में तहजीब रची बसी होने के बाद भी विरासत से जुड़ी धरोहरें खंडहर में तब्दील होती जा रही है।

कवायद का मकसद

भारत में ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की जिम्मेदारी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण संस्थान (एएसआई)निभा रहा है। देश भर में फैले ऐतिहासिक धरोहरों के खजाने को एएसआई किसी तरह संभाल रहा है लेकिन संसाधनों की कमी को यूनेस्को जैसी विश्व संस्थाओं की मदद से पूरा करने में काफी मदद भी मिलती है। एएसआई के अतिरिक्त महानिदेशक बी आर मणि कहते हैं कि खजुराहो के मंदिर, ताज महल या लाल किला जैसे विश्व विख्यात स्थल सैलानियों की पहुंच में हमेशा रहते है लेकिन इनसे कम मशहूर स्थलों को यूनेस्को की विरासत सूची में जगह मिलने पर दुनिया की नजरों में आना आसान हो जाता है। इससे न सिर्फ सैलानियों की तादाद बढती है बल्कि विभाग की आमदनी भी बढ़ जाती है जो इन धरोहरों को संवारने में मददगार साबित भी होती है। मणि का कहना है कि भारत में विरासत स्थलों की बड़ी संख्या में मौजूदगी को देखते हुए कई शहर तो सांस्कृतिक लिहाज से विश्व विरासत शहर का दर्जा पाने के हकदार हैं और इसके लिए साल 2007 में इस कवायद को शुरू किया गया था। इसके लिए बनारस, मुंबई, बेंगलोर और दिल्ली अपना दावा पेश करने की कोशिश में जुटे है.।

दावों की हकीकत

एएसआई के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक के के मोहम्मद ने बताया की यूनेस्को ने 1972 में विश्व विरासत

स्थल का तमगा देना शुरू किया और अब तक दुनिया भर में 812 धरोहरों को यह दर्जा मिल चुका है। इनमें से 27 स्थल भारत में हैं, इसी तरह इटली के रोम और वैटिकन जैसे दुनिया के कुछ शहरों को विश्व विरासत शहर दर्जा मिलने के बाद भारत के पुरातन शहरों ने भी इसमें अपनी भागीदारी की। मगर इसमें सम्बद्ध राज्य सरकार की भूमिका के चलते ये कवायद पूरी होती नहीं दिख रही है। वह कहते हैं कि यूनेस्को के कठिन मानदंडों की कसौटी पर खरा उतरने के लिए न सिर्फ दस्तावेजी सबूतों के आधार मजबूत दावा तैयार करना होगा बल्कि परीक्षण के दौरान दावे में कही गयी बातों पर खरा भी उतरना होगा। पहले से ही संसाधनों की कमी से जूझ रही राज्य सरकारें पुख्ता दावा भी तैयार नहीं कर पा रही है।

राह के रोड़े

यूरोप और दुनिया के अन्य विकसित देशों को सरकार और जनता की सहज भागीदारी से अपनी मुट्ठी भर एतिहासिक धरोहरों को सहेज कर आसानी से यूनेस्को की विरासत सूची में जगह मिल रही है। भारत में यह काम भी सरकार से लिए सफेद हाथी साबित हो रहा है। नतीजा ऐतिहासिक स्थलों को तो यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल की सूची में जगह मिली है लेकिन पिछले कई सालों के तमाम प्रयासों के बावजूद अब तक किसी भी शहर को विश्व विरासत शहर का तमगा हासिल नहीं हो पाया है। यह बात दीगर है कि इस कवायद में पानी की तरह पैसा बहाने के बाद मूल नतीजा तो सिफर है लेकिन सरकारी तंत्र को दीमक की तरह खोखला कर रहे अफसरान खुद को खूब समृद्ध बना चुके है। जन भागीदारी का अभाव और सरकारी तंत्र का गैरजिम्मेदाराना रवैया इस राह के सबसे बड़े रोड़े बन गए है।

हिन्दू धर्म में ऊँ और स्वस्तिक का महत्व

हिन्दू धर्म में चाहे वे वैदिक मतालम्बी हों या सनातनी हो या जैन मतालम्बी, ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र सभी मांगलिक कार्यों जैसे विवाह आदि संस्कार घर के अन्दर कोई भी मांगलिक कार्य होने पर ऊँ और स्वातिक का दोनों का अथवा एक का प्रयोग किया जाता है. इन दोनों का प्रयोग करने का तरीका यह जरूरी नही है कि वह पढे लिखे या विद्वान संगति में ही देखने को मिलता हो,यह किसी भी ग्रामीण या शहरी संस्कृति में देखने को मिल जाता है. किसी के घर में मांगलिक कार्य होते है तो दरवाजे पर लिखा जाता है, किसी मंदिर में जाते है तो उसके दरवाजे पर यह लिखा मिलता है,किसी प्रकार की नई लिखा पढी की जाती है तो शुरु में इन दोनों को या एक को ही प्रयोग में लाया जाता है. ऊँ के अन्दर तीन अक्षरों का प्रयोग किया जाता है, अ उ म इन तीनो अक्षरों में अ से अज यानी ब्रह्मा जो ब्रह्माण्ड के निर्माता है, सृष्टि का बनाने का काम जिनके पास है, उ से उनन्द यानी विष्णुजी जो ब्रह्माण्ड के पालक है और सृष्टि को पालने का कार्य करते है, म से महेश यानी भगवान शिवजी,जो ब्रह्माण्ड में बदलाव के लिये पुराने को नया बनाने के लिये विघटन का कार्य करते है. वेदों में ऊँ को प्रणव की संज्ञा दी गयी है, जब भी किसी वेद मंत्र का उच्चारण होता है तो ऊँकार से ही शुरु किया जाता है,

स्वास्तिक को चित्र के रूप में भी बनाया जाता है और लिखा भी जाता है जैसे स्वास्ति न इन्द्र- आदि. हिन्दू समाज में किसी भी शुभ संस्कार में स्वास्तिक का अलग अलग तरीके से प्रयोग किया जाता है, बच्चे का पहली बार जब मुंडन संस्कार किया जाता है तो स्वास्तिक को बुआ के द्वारा बच्चे के सिर पर हल्दी रोली मक्खन को मिलाकर बनाया जाता है, स्वास्तिक को सिर के ऊपर बनाने का अर्थ माना जाता है कि धर्म,अर्थ,काम और मोक्ष चारों पुरुषार्थों का योगात्मक रूप सिर पर हमेशा प्रभावी रहे,स्वास्तिक के अन्दर चारों भागों के अन्दर बिन्दु लगाने का मतलब होता है कि व्यक्ति का दिमाग केन्द्रित रहे, चारों तरफ़ भटके नही, वृहद रूप में स्वास्तिक की भुजा का फ़ैलाव सम्बन्धित दिशा से सम्पूर्ण इनर्जी को एकत्रित करने के बाद बिन्दु की तरफ़ इकट्ठा करने से भी माना जाता है,स्वास्तिक का केन्द्र जहाँ चारों भुजायें एक साथ काटती है, उसे सिर के बिलकुल बीच में चुना जाता है, बीच का स्थान बच्चे के सिर में परखने के लिये जहाँ हड्डी विहीन हिस्सा होता है और एक तरह से ब्रह्मरंध के रूप में उम्र की प्राथमिक अवस्था में उपस्थित होता है और वयस्क होने पर वह हड्डी से ढक जाता है, के स्थान पर बनाया जाता है. ऊँ परमात्मा वाची कहा गया है, ऊँ को मंगल रूप में जाना गया है, जैन धर्म के अनुसार ऊँ पंच परमेष्ठीवाचक की उपाधि से विभूषित है. णमोकार मंत्र के पहले इसे प्रयोग किया गया है. ऊँ एक बीजाक्षर की भांति है,इसके मात्र उच्चारण करने से ही भक्ति महिमा का निष्पादन हो जाता है. इसका रूप दोनों आंखों के बीच में आंखों को बन्द करने के बाद सुनहले रूप में कल्पित करते रहने से यह सहज योग का रूप सामने लाना शुरु कर देता है, और उन अनुभूतियों की तरफ़ मनुष्य जाना शुरु कर देता है जिन्हे वह कभी सोच भी नही सकता है.

ऊँ कार बिन्दु संयुक्त ं नित्यं ध्यायन्ति योगिना:
कामदं मोक्षदं चैव ऊँकाराय नमो नम: ॥

वाणी का हमेशा रखें ध्यान

हमारी वाणी भी जीवन में अहम भाव रखती है और यह बिगड़ जाये तो जीवन कष्टकारी होने में देर नहीं लगती, इसलिए अपनी वाणी हमेशा अच्छी होनी चाहिये। अगर ऐसा नहीं होता तो हमें विपरीन हालातों का सामना करना पड़ता है। कई बार ग्रह दशा से भी वाणी खराब हो जाती है।

कुंडली का दूसरा, तीसरा और आठवां भाव वाणी से सम्बन्ध रखता है। इन भावों में अशुभ ग्रह होने से वाणी दूषित हो जाती है। वैसे वाणी को सबसे ज्यादा दूषित राहु और मंगल करते हैं। इनके प्रभाव से व्यक्ति अनाप शनाप बोलता है। शनि का प्रभाव होने

से अपशब्द बोलने की आदत पड़ जाती है। बुध के दूषित होने पर भी व्यक्ति अपशब्द बोलता है हालांकि ऐसी दशा में व्यक्ति अपशब्द हमेशा नहीं बोलता। अपशब्द बोलने के परिणाम अच्छे नहीं होते और प्रगति रुक जाती है। अपशब्द बोलने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति पर सीधा असर पड़ता है। व्यक्ति के जीवन में धन के मामले में उतार चढ़ाव बने रहते हैं। ऐसे लोगों को गले या मुंह की बीमारी की संभावना भी होती है। इनका बुध कमजोर होता ज ता है। इसलिए याददाश्त और बुद्धि की समस्या भी निश्चित होती है। इनको निश्चित रूप से जीवन में पतन का सामना करना पड़ता है। ऐसे लोग जानबूझकर आफत को अपने पास बुला लेते हैं। कैसे ठीक करें अपशब्द बोलने की आदत को? प्रात:काल सूर्य को अर्घ्य दें। इसके बाद बोल बोलकर गायत्री मन्त्र का जप करें।

पितृपक्ष में पशु–पक्षियों को दें भोजन

पितृपक्ष प्रारंभ हो गये हैं। हिंदू धर्म की मान्यता के अनुसार पितृपक्ष के 16 दिनों तक हमारे पूर्वज धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। ये पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमें देखने आते हैं। जिन जीवों तथा पशु पक्षियों के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं वो हैं – गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी। श्राद्ध के समय इनके लिए भी आहार का एक अंश निकाला जाता है, तभी श्राद्ध कर्म पूर्ण होता है। श्राद्ध करते समय पितरों को अर्पित करने वाले भोजन के पांच अंश निकाले जाते हैं – गाय, कुत्ता, चींटी, कौवा और देवताओं के लिए। इन पांच अंशों का अर्पण करने को पञ्च बलि कहा जाता है। सबसे पहले भोजन की तीन आहुति कंडा जलाकर दी जाती है1 श्राद्ध कर्म में भोजन के पूर्व पांच जगह पर अलग-अलग भोजन का थोड़ा-थोड़ा अंश निकाला जाता है। गाय, कुत्ता, चींटी और देवताओं के लिए पत्ते पर तथा कौवे के लिए भूमि पर अंश रखा जाता है। फिर प्रार्थना की जाती है कि इनके माध्यम से हमारे पितर प्रसन्न हों। कुत्ता जल तत्त्व का प्रतीक है ,चींटी अग्नि तत्व का, कौवा वायु तत्व का, गाय पृथ्वी तत्व का और देवता आकाश तत्व का प्रतीक हैं। इस प्रकार इन पांचों को आहार देकर

हम पंच तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। केवल गाय में ही एक साथ पांच तत्व पाए जाते हैं। इसलिए पितृ पक्ष में गाय की सेवा विशेष फलदाई होती है। मात्र गाय को चारा खिलने और सेवा करने से पितरों को तृप्ति मिलती है साथ ही श्राद्ध कर्म सम्पूर्ण होता है। पितृ पक्ष में गाय की सेवा से पितरों को मुक्ति मोक्ष मिलता है। साथ ही अगर गाय को चारा खिलाया जाय तो वह ब्राह्मण भोज के बराबर होता है1 पितृ पक्ष में अगर पञ्च गव्य का प्रयोग किया जाय, तो पितृ दोष से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही गौदान करने से हर तरह के ॠण और कर्म से मुक्ति मिल सकती है। पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज और पितर धरती पर उतरते हैं और हमें देखते हैं।

पक्षियों का स्वर्ग केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान

वलादेव राष्ट्रीय उद्यान पहले भरतपुर पक्षी विहार और केवलादेव धाना राष्ट्रीय उद्यान के नाम से जाना था। सन् 1971 में इसे पक्षी अभ्यारण के रूप में घोषित किया गया। इसके बाद सन् 1981 में राष्ट्रीय उद्यान ओर सन् 1982 में रामसर जलमग्न क्षेत्र (ॠड्ढद्वह्यड्डह्र ्ड्ढह्लद्यड्डठ्ठस्रह्य) घोषित कर दिया गया। सन् 1985 में इसे विश्‍व धरोहर की सूची में शामिल कर लिया गया। राजा महाराजाओं एवं ब्रिटिश शासनकाल में यह पक्षियों के शिकार के लिए प्रसिद्ध था लेकिन 1982 में शिकार पर एवं चारा लेने पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। सन् 2004 के बाद कम वर्षा एवं अनाज बांध से पानी की कम आपूर्ति होने के कारण कुछ वर्षो तक वेटलेण्ड सूख गई, जिसके कारण पक्षी दूसरी जगह पर चले गए। इसके अलावा पोधों की संख्या में भी कमी देखने को मिलीं। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान मानव निर्मित वेटलेण्ड है। इसका कुल क्षेत्रफल 29 वर्ग किमी. है। जिसमें 11 वर्ग वेटलेन्ड है। उद्यान में विभिन्न प्रकार के आवास जैसे ग्रसलैण्ड बुडलैण्डे ओर बेटलैण्डे पाये जाते हैं। विभिन्न प्रकार के आवासों के कारण सन्

1991 से पहले यहां पर लगभग 379 पौधों की प्रजातियां 366 पक्षियों की प्रजातियां 50 मछलियों की प्रजातियां 13 सर्प की प्रतातियां इत्यादि रिपोर्ट गी गई थी। हालांकि बाद के वर्षों में कम वर्षा एवं बांध से पानी की कम उपलब्धता के कारण पक्षियों एवं पौधों दोनों की प्रजातियों की संख्या में कमी देखने को मिली, फिर भी यह उद्यान अभी भी अनेक पक्षियों का आवास है, क्योकि उन्हें यहां पर भोजन एवं प्रजनन के लिए उचित आवास उपलब्ध है।

पक्षियों में मुख्य रूप से पैन्टेड स्टॉर्क, लिटिल कॉर्मोरेन्ट, सारस क्रेन, ग्रेट कॉर्मोरेन, कौमन टील, डक, कौमन सेण्डपाइपर, ओर ग्रीन सेण्डपाइपर प्रमुख है। उद्यान में मुख्य रूप से उष्ण शुष्क पर्णपाती वन है। इसके अलावा इसमें ग्रासलैण्डा वुडलैण्ड और जलीप वनस्पतियां देखने को मिलती है। उद्यान के उत्तर पूर्व में कदम (मित्रागापना पारवीफोलिया) जामुन (साइजीजियम कुमिनी) बबूल (अकेशिया नाइलोटिका) कंदी (प्रासोपिस साइनेरिया) प्रमुख पौधे हैं। उद्वान के सूखे भागों में विलापती बबूल (प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा) बहुतायात में पाया जाता हे और यह तेजी से अन्य भागों में फैल रहा है। ग्रासलैण्ड साइनोडॉन डेक्टाइलोन, स्पोरोबुलस हेलबुलस, डाइकेन्थियम एनूलेटम डेस्मोस्टेच्या बाइपिन्नेटा सेकेरम स्पोनअेनियम एवं बेटीवेरिया जिनेनिऑडिस प्रमुख ग्रासेज है। साल्वेडारा ऑलियोडिस और साल्वेडोरा पर्सिका पीलू की दो प्रजातियां हैं, जो कि लवणीय मृदा में एवं रोड साइज पायी जाती है।

दक्षिणी फ्रांस में स्लोवेनिया के प्रमोज रोगलिक टूर डी फ्रांस साइकिल रेस में फिनिश लाइन पार करते हुए।

सेरेना, मेदवेदेव जीत के साथ दूसरे दौर में, वीनस और क्लाइस्टर्स हारे

न्यूयॉर्क। अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने अमेरिकी ओपन टेनिस में जीत के साथ शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं महिला वर्ग में ही अनुभवी वीनस विलियम्स और किम क्लाइस्टर्स हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। सेरेना ने आसानी से अपना मुकाबला जीता और क्रीस्टी ऑन को 7-5, 6-3 से हराया। वहीं वीनस को कारोलिना मुचोवा के हाथों 6-3, 7-5 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं लंबे समय के बाद वापसी कर रही क्लाइस्टर्स को एकटेरिना अलेक्सांद्रोवा ने 3-6, 7-5, 6-1 से हराया। अन्य महिला खिलाड़ियों में मेडिसन कीज, योहाना कोंटा और गर्बाइन मुगुरूजा भी अपने-अपने मुकाबले जीतकर दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। कीज ने टिमिया बाबोस को 6-1, 6-1 से, कोंटा ने हीथर वाटसन को 7-6 (7), 6-1 से और मुगुरूजा ने नाओ हिबिनो को 6-4, 6-4 से पराजित किया। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में डेनिल मेदवेदेव और ब्रिटेन के टेनिस स्टार एंडी मरे भी जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। मेदेवेदेव ने फ्रेडरिको डेलबोनिस को 6-1, 6-2, 6-4 जबकि मर्रे ने योशिहितो निशियोका को 4-6, 4-6, 7-6 (5), 7-6 (4), 6-4 से हराया।

अमेरिकी ओपन : जोकोविच, प्लिसकोवा सहित शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी दूसरे दौर में पहुंचे

न्यूयार्क। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच, जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव सहित सभी शीर्ष वरीयता प्राप्त सभी खिलाड़ी अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। पुरुष वर्ग के इन दो खिलाड़ियों के अलावा महिला वर्ग की शीर्ष खिलाड़ी चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिसकोवा व जापान की नाओमी ओसाका ने भी जीत के साथ ही शुरुआत की है। पुरुष एकल वर्ग में जोकोविच ने बोस्निया और हर्जेगोविना के दामिर जुम्हूर को आसानी से 6-1, 6-4, 6-1 से हराया। एक अन्य मुकाबले में ज्वेरेव ने दक्षिण अफ्रीका के केविन एंडरसन को कड़े मुकाबले में 7-6 (2), 5-7, 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। यूनान के स्तेफानोस सितसिपास ने स्पेन के अलबर्ट रामोस 6-2, 6-1, 6-1 से हराया जबकि अर्जेंटीना के डिएगो श्वाट्र्जमैन को ब्रिटेन के कैमरून नोरी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर महिला एकल में प्लिसकोवा ने यूक्रेन की एनेलिना कलिनिना को लगातार सेटों में 6-4, 6-0 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका सामना कैरोलिन गार्सिया से होगा जिन्होंने इटली की जास्मिन पाओलिनी को 6-3, 6-2 से हराया था। वहीं जापान की ओसाका भी हमवतन मिसाकी दोई को 6-2, 5-7, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। अब ओसाका का मुकाबला अगले दौर में कैमिला जियोर्जी से होगा कैमिलला ने एलिसन वान ययुतवांक को 2-6, 6-1, 7-5 से हराया। इन खिलाड़ियों के अलावा लात्विया की अनस्तासिजा सेवास्तोवा ने अमेरिका की 16 वर्षीय कोको गॉफ को तीन सेटों में 6-3, 5-7, 6-4 से हराकर वर्ष की अपनी पहली जीत दर्ज की।

बेतिस से खेलेंगे गोलकीपर क्लाउडियो

सेविला। स्पेनिश फुटबाल क्लब रियल बेतिस का मैनचेस्टर सिटी के गोलकीपर क्लाउडियो ब्रावो के साथ करार हुआ है। चिली के 37 वर्षीय क्लाउडियो का बेतिस के साथ अभी एक साल का करार हुआ है और इसमें उनके पास अपने करार को आगे बढ़ाने का विकल्प भी रहेगा। क्लाउडियो का साल 2020-21 सत्र के लिए यह दूसरा करार हैं। क्लाउडियो ने 2006 में रियल सोसियाद के साथ करार किया था, जहां वह आठ सत्र तक थे। वह साल 2014 में एफसी बार्सिलोना और 2016 में मैनचेस्टर सिटी में भी रहे थे। क्लाउडियो ने अपने करियर में अब तक 506 आधिकारिक मैच खेले हैं। अपने करियर में इस फुटबॉलर ने अब तक दो चिली लीग खिताब, दो स्पेनिश ला लीगा खिताब, दो कोपा डेल रे कप, एक स्पेनिश सुपर कप, एक चैम्पियंस लीग, एक यूरोपियन सुपर कप, एक क्लब विश्व कप, दो प्रीमियर लीग, एक एफए कप, तीन ईएफएल कप और दो कम्यूनिटी शील्ड खिताब जीते हैं।

हफीज की शानदार पारी से पाक ने तीसरे टी20 में इंग्लैंड को हराया

मैनचेस्टर । मोहम्मद हफीज की शानदार बल्लेबाजी से पाकिस्तान ने तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को पांच रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी है। पाक की ओर से हफीज ने 52 गेंदों पर चार चौके और छह छक्के लगाकर नाबाद 86 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। हफीज ने इस दौरान अपना पहला मैच खेल रहे युवा बल्लेबाज हैदर अली के साथ तीसरे विकेट के लिए 100 रन जोड़े। की। इस मैच में मेजबान इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पाक को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। उसका यह फैसला सही साबित नहीं हुआ और पाक ने 20 ओवरों में 190 रनों का अच्छा खास स्कोर बना दिया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए

मेजबान इंग्लैंड टीम 8 विकेट पर 185 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की ओर से मोईन अली ने 33 गेंदों पर 61 रनों की तेज तर्रार पारी खेली पर फिर भी वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज टॉम बैंटन ने भी 46 रन बनाये। मेहमान टीम पाक की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज वहाब रियाज ने इस मैच में वापसी करते हुए दो विकेट लिये। वहाब के अलावा युवा शाहीन अफरीदी ने भी दो बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा। मैच अंतिम क्षणों में रोमांचक हो गया जा मेजबान टीम को आखिरी दो गेंद पर जीत के लिए 12 रन चाहिए थे। टॉम कुर्रेन ने पहली गेंद पर छक्का लगाकर उम्मीदें बरकरार रखीं पर दूसरी गेंद पर वह शॉट नहीं खेल पाये और पाक ने मैच जीत लिया।

कोरोना के कारण विश्व गोल्फ चैंपियनशिप रद्द

शंघाई । पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीए) के अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने कोरोना महामारी के कारण चीन में होने वाली एचएसबीसी चैंपियन्स विश्व गोल्फ चैंपियनशिप (डब्ल्यूजीसी) को रद्द कर दिया गया है। यह टूर्नामेंट आगामी 29 अक्टूबर से एक नवंबर के बीच शंघाई के शेशान अंतरराष्ट्रीय गोल्फ क्लब में खेला जाना था। चीनी सरकार ने इससे पहले जुलाई में ही घोषणा की थी कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए देश में इस साल किसी भी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता की मेजबानी संभव नहीं है। वहीं पीजीए टूर के कार्यकारी उपाध्यक्ष टाइ वोटाव ने कहा, 'हमने सभी टूर, अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों, चीनी गोल्फ संघ और अन्य स्थानीय पक्षों के साथ बातचीत के बाद डब्ल्यूजीएसी एचएसबीसी चैंपियन्स गोल्फ का आयोजन रद्द कर दिया है।

नागल अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

न्यूयार्क । भारत के युवा पुरुष एकल खिलाड़ी सुमित नागल अमेरिकी ओपन टेनिस के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। नागल ने पहले दौर में अमेरिका के ब्रैडली क्लैन को 6-1, 6-3, 3-6, 6-1 से हराया। वह पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम मुकाबले के दूसरे दौर में पहुंचे हैं। अब अगले दौर में नागल का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के डॉमिनिक थीम के साथ होगा। नागल और क्लैन के बीच मुकाबला रोमांचक रहा। भारतीय खिलाड़ी ने पहले दौर का मुकाबला जीता। उन्होंने शुरुआती दोनों सेट अपने नाम किए पर तीसरे सेट में ब्रैडली ने 6-3 से मुकाबला जीत लिया। इसके बाद चौथे सेट में नागल ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-1 से सेट जीता। इसी के साथ ही वह किसी खिलाबी मुकाबले के मुख्य ड्रॉ का मुकाबला जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

रुपया डॉलर के मुकाबले 25 पैसे गिरा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार के सपाट रुख और अमेरिकी मुद्रा की मजबूती के चलते बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे टूटकर 73.12 के स्तर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया कमजोरी के साथ 73.10 पर खुला और आगे 73.12 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 25 पैसे की गिरावट ?दिखाता है। इससे पहले मंगलवार को आरबीआई द्वारा घोषित नकदी बढ़ाने के उपायों के चलते रुपया 73 पैसे की मजबूती के साथ 72.87 के स्तर पर आ गया था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत बढ़कर 92.35 पर था।

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 614 रुपये गिरकर 52,314 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं चांदी भी 1,799 रुपये गिरकर 71,202 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गयी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नरमी के कारण सोने और चांदी में यह गिरावट आई है। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी के दाम में बड़ी गिरावट दर्ज की गयी है। बुधवार को देशभर के सर्राफा बाजार में 10 ग्राम सोना 551 रुपये गिरकर 51,024 रुपये पर खुला। वैश्विक बाजारों से ?मिले संकेतों और मजबूत रुपए के बीच बुधवार को भारतीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में यह गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को सोना और चांदी के भाव क्रमशः 52,928 रुपये प्रति 10 ग्राम और 73,001 रुपये प्रति किलोग्राम रहे थे।

सेंसेक्स 50 अंक चढ़ा, निफ्टी 11,500 के नीचे फिसला

मुंबई। भारत-चीन के बीच सीमा विवाद और एशियाई बाजारों से कमजोर संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान सपाट रुख देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स सोमवार के बंद भाव के आसपास खुलने के बाद 58.69 अंक बढ़कर 38,954.49 पर कारोबार पर खुला, जबकि एनएसई निफ्टी 22.95 अंक बढ़कर 11,493.20 अंक पर था। सेंसेक्स में सबसे अधिक दो प्रतिशत की तेजी अल्ट्राटेक सीमेंट में हुई। इसके अलावा ओएनजीसी, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस मुनाफे के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स

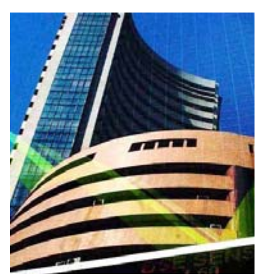

0.22 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। स्मॉलकैप शेयरों में भी खरीदारी नजर आ रही है। बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 0.47 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। तेल-गैस शेयरों में भी हल्की खरीदारी नजर आ रही है। बीएसई का ऑयल एंड गैस इंडेक्स 0.19 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर एसबीआई, बजाज ऑटो, एचडीएफसी, कोटक बैंक और टाइटन में गिरावट देखने को मिली। पिछले सत्र में सेंसेक्स 272.51 अंक बढ़कर 38,900.80 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 82.75 अंक बढ़कर 11,470.25 पर बंद हुआ।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार ने संभागीय अधिकारियों की बैठक ली

उद्यानिकी योजनाओं में गड़बड़ी करने वाले अधिकारी कार्रवाई से नहीं बचेंगे : कुशवाह

ग्वालियर 02 सितम्बर 2020/ उद्यानिकी विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही और अनियमितता करने वाले अधिकारी कर्मचारी दंडित होने से बच नहीं पायेंगे । गड़बड़ी करने वाले वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों के खिलाफ रिटायरमेंट के बाद पेंशन बंद करने की कार्यवाही भी शासन द्वारा की गई है । इसलिये सभी अधिकारी इस बात का ध्यान रखें कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की अनियमितता न होने पाए। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण (स्वतंत्र प्रभार) एवं नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से कहीं । श्री कुशवाह आज भोपाल स्थित नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के सभाकक्ष में आयोजित हुई संभाग स्तरीय अधिकारियों की बैठक में विभागीय गतिविधियो की समीक्षा कर रहे थे। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा कि उद्यानिकी विभाग के अधिकारी महीने में एक बार आवश्यक तौर पर ब्लाक स्तर पर बैठक लेकर योजनावार समीक्षा करें। जहां योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति कमजोर है वहां का स्थल मुआयना कर कमी का पता लगाए और उसे दूर भी करें । उन्होंने कहा कि ब्लाक स्तर की समीक्षा ठीक से करने पर ही संभागीय और राज्य स्तर की समीक्षा में सही और वास्तविक जानकारी प्रस्तुत की जा सकती है । राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने योजनावार और जिलेवार लक्ष्यों में पिछड़ रहे जिले के अधिकारियों से जवाब तलब करने के लिए कहा। उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि फल, साक, सब्जी की पैदावार की अनिश्चितता के कारण इनके विपणन की कोई ठोस कार्ययोजना पहले से नहीं होती । कई बार अधिकता में उत्पादित टमाटर व प्याज आदि को उत्पादक किसान लागत से कम मूल्य पर बेचने पर मजबूर होता है और कई बार उत्पाद खराब हो जाते है । इसका प्रमुख कारण है कि उद्यानिकी फसलों के बोए गए रकबे और अनुमानित उत्पादन की जानकारी नहीं होना । किसानों की इस परेशानी को दूर करने के लिये अब उद्यानिकी विभाग जिलेवार जिले में आलू, प्याज, टमाटर आदि उद्यानिकी आदि फसलों कि गिरदावरी करेगा । इससे बोई गई फसल, रकबे की जानकारी और अनुमानित उत्पादन की जानकारी पहले से रहेगी । इस आधार पर उत्पादित फसल के विपणन आदि की व्यवस्थाएं करने की कार्ययोजना बनाई जा सकेगी । इससे उद्यानिकी उत्पादन से जुड़े कृषक को होने वाले नुक़सान से बचाया जा सकता है और अधिक उत्पादन का भी बेहतर उपयोग हो सकता है । राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने उद्यानिकी विभाग की नर्सरी के उन्नयन करने के लिए भी कहा । उन्होंने कहा कि किसानों से पहले उनके द्वारा लगाए जाने वाले पौध की जानकारी प्राप्त करें और नर्सरी में उसी के अनुसार पौध को विकसित करें । इससे किसानों की जरूरत स्थानीय स्तर पर पूरी हो सकेंगी। श्री कुशवाह ने कहा कि शासकीय योजनाओं में पौध की खरीदी केवल शासकीय नर्सरी से ही होगी । राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि आधुनिक उद्यानिकी फसलों का कृषकों को प्रशिक्षण देने के कार्यक्रम में तेजी लाएं । उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में नए किसानों को अवश्य जोड़ें । समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव, उद्यानिकी आयुक्त श्री पुष्कर सिंह तथा विभिन्न संभागों के उद्यानिकी अधिकारी उपस्थित थे।

रियायतों के साथ अनलॉक 4 की गाइडलाइन्स जारी

21 सितंबर से अधिकतम 100 लोगों की उपस्थिति में हो सकेंगे कार्यक्रम

ग्वालियर। एक से 30 सितंबर तक की अवधि के लिये भारत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन्स के पालन हेतु प्रदेश सरकार ने आदेश जारी कर दिये हैं। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने आदेश जारी करते हुए बताया है कि रियायतों के साथ अनलॉक 4 की गाइडलाइन्स जारी की गई हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना की चेन-ब्रेकिंग के लिये आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए पुख्ता प्रबंध कर निश्चित लोगों की उपस्थिति में 21 सितंबर के बाद कार्यक्रम आयोजित हो सकेंगे। गाइडलाइन्स का उल्लंघन होने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी की जाने वाली एसओपी के बाद 21 सितंबर से अधिकतम 100 लोगों की उपस्थिति में विभिन्न सामाजिक अकादमिक, स्पोर्ट्स, मनोरंजन, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनैतिक और अन्य सामुहिक कार्यक्रम किये जा सकेंगे। इसमें भी फेस मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, थर्मल स्केनिंग और सेनेटाइजेशन के प्रबंध रखना अनिवार्य रहेगा। 21 सितंबर 2020 से कन्टेंमेंट जोन के बाहर के स्कूलों में ऑनलाइन और डिस्टेंस लर्निंग की गतिविधियाँ संचालिक हो सकेंगी। स्कूलों में 50 प्रतिशत टीचिंग और नॉन-टीचिंग स्टाफ को बुलाया जा सकेगा। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी पालकों की सहमति से स्कूलों में शिक्षकों से मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिये आ सकेंगे। राष्ट्रीय संस्थानों और इससे पंजीकृत संस्थानों में लघु कौशल शिक्षण की अनुमति रहेगी। उच्च शिक्षा विभाग गृह मंत्रालय की सहमति से शोधार्थियों और तकनीकि और व्यावसायिक कार्यक्रमों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत छात्रों को कोविड-19 की गाइडलाइन्स अनुसार अनुमति प्रदान कर सकेगा। 30 सितंबर तक स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक और कोचिंग संस्थान बंद रहेंगे। इनमें नियमित संचालित होने वाली गतिविधियाँ नहीं होंगी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार जिला कलेक्टर कोरोना की चेन को तोड़ने के लिये माइक्रो लेवल पर कंटेनमेंट जोन को चिन्हांकित कर सकेंगे। जिला कलेक्टरों को इन जोन्स को वेबसाइट पर अधिसूचित करना होगा। राज्य में कहीं भी आने-जाने पर कोई पाबंदी नहीं रहेगी। आने-जाने के लिये किसी प्रकार की अनुमति, अनुमोदन या ई-परमिट की जरूरत नहीं होगी। अनलॉक 4 की गाइडलाइन्स में 65 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजनों और 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को अत्यावश्यक नहीं होने पर घरों में रहने की सलाह दी गई है। भारत सरकार द्वारा जारी अनलॉक 4 की गाइडलाइन्स में राज्य स्तर से किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जा सकेगा। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिये राज्य सरकार धारा 144 का प्रयोग कर सकती हैं। गाइडलाइन का उल्लंघन करने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अन्तर्गत कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

मकान से नगदी गहने चोरी

ग्वालियर। शहर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में स्थित रामपुरी इलाके में छत के सहारे एक मकान में घुसे चोर नग!दी गहने समेट ले गए पुलिस ने चोरों की तलाश प्रारंभ कर दी है! जानकारी के अनुसार बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के रामपुरी में रहने वाली उर्मिला कुशवाहा बीती रात अपने घर में सो रही थी तभी छत के सहारे घर में चोर घुस आए और नकदी गहने चोरी कर ले गए! वही गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में स्थित पिंटू पार्क में अमित जैन की फैक्ट्री से चोर एक लाख का माल चोरी कर ले गए पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश प्रारंभ कर दी है!

क्राईम संक्षिप्त

साले की पत्नी से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

ग्वालियर। शहर की जनक गंज थाना पुलिस ने अपने साले की पत्नी से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है! जानकारी के अनुसार जनक गंज थाना क्षेत्र के तारागंज में रहने वाली 28 साल की एक महिला के पति की 2 साल पहले तबीयत खराब हुई थी! महिला ने अपने पति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था तभी उसका नंदोई बंटी खान निवासी धौलपुर अपने साले की देखरेख के लिए ग्वालियर आया था एक दिन उसने अपने साले की पत्नी से दुष्कर्म कर डाला कुछ दिन बाद उसके साले की मौत हो गई तो बंटी खान महिला को जबरन अपने साथ धौलपुर ले गया और 2 साल तक उसका दैहिक शोषण किया! बाद में महिला ने बंटी खान के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है!

गौवंश से भरा कंटेनर पकड़ा.. चालक गिरफ्तार

ग्वालियर। शहर की सिरोल थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गौवंश से भरे एक कंटेनर को पकड़ा है ! वाहन में 40 गाय और बैल मिले हैं पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है! जानकारी के अनुसार सिरोल थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक कंटेनर में भरकर गौवंश को काटने के लिए ले जाया जा रहा है इसी सूचना के आधार पर एफआरबी ने वाहन की तलाश शुरू कर दी तभी नैनागिर के पास पुलिस में एक कंटेनर क्रमांक आरजे 18 0 99 81 को पकड़ा! पुलिस ने जब कंटेनर में देखा तो उसमें 40 गाय और बैल ठूंस कर भरे गए थे! पुलिस ने कंटेनर से गो वंश को मुक्त कराया और चालक को चालक को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू कर दी है!

कारोबारी को मुनीम ने लगाया 23 लाख 50 हजार का चूना

ग्वालियर। शहर के जनक गंज थाना क्षेत्र में स्थित लक्ष्मीगंज सब्जी मंडी में कारोबारी को उसके दो मोनी नमूने 23 लाख 54 हजार की चपत लगा दी पुलिस ने कारोबारी की शिकायत पर मोनीमो के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार आगरा निवासी अमृतलाल का सब्जी का कारोबार है और लक्ष्मी गंज में उनकी प्रेम सिंह इंदर सिंह के नाम से कंपनी है उनकी कंपनी में गोविंद कुशवाहा और बलवीर कुशवाहा मुनीम गिरी का काम करते हैं और मुनीम ही किसानों को पैसों का लेनदेन देखते हैं ! पिछले दिनों कुछ किसान अमृतलाल के पास पहुंचे और उन्हें बताया कि उन्होंने जो आलू कंपनी को दिया था उसका भुगतान मुनीम ने नहीं किया है! यह राशि 23 लाख 54 हजार के करीब थी अमृतलाल ने जब मुनीम गोविंद और बलवीर से पूछा तो वह है उनको टालने लगे इसके बाद अमृतलाल ने थाने में जाकर शिकायती आवेदन दिया पुलिस ने जांच के बाद दोनों मुनीम गोविंद और बलवीर के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है!

युवक फांसी पर झूला... दो लोगों ने जहर खाकर की आत्महत्या

ग्वालियर। शहर के ग्वालियर थाना क्षेत्र में स्थित जाम उठा पूरा में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली वहीं उपनगर मुरार के त्यागी नगर में रहने वाले एक युवक ने जहरीला पदार्थ कोल्ड ड्रिंक में मिलाकर पी लिया जिससे उसकी मौत हो गई उधर बिजौली थाना क्षेत्र में एक युवक ने सल्फास खाकर मौत को गले लगा लिया! पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है! जानकारी के अनुसार ग्वालियर थाना क्षेत्र के रमटा पुरा नंबर 2 में रहने वाले मोनू कुशवाहा 20 साल में बीती रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और मामले की जांच शुरू कर दी है वहीं उपनगर मुरार थाना क्षेत्र के त्यागी नगर में रहने वाले निक्की शर्मा 26 वर्ष में कोल्ड ड्रिंक में मिलाकर जहरीला पदार्थ निगल लिया हालत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर गए जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई!

जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आई द राइजिंग संस्था

ग्वालियर। सामाजिक संस्थाएं हमेशा से ही समाज हित के लिए अच्छा काम करती आई हैं। सामाजिक संस्थाएं समाज को संवारने का काम कर रहीं हैं। चाहे फिर दुनिया को अपनी गिरफ्त में लेने वाली अदृश्य महामारी कोविड-19 हो या फिर समय-समय पर आने वाले भूकंप व तबाही या फिर परेशान व असहाय लोगों की मदद की बात हो। इसमें से एक है द राइजिंग वर्ल्ड फाउंडेशन संस्थाए जिसमें संस्था ने समाज सेवा के रूप में विश्व पटल पर अलग पहचान बनाई है। यह मेरा सौभाग्य है कि मैं इस संस्था से जुड़ी और आज संस्थापक मरीना शेख के नेतृत्व में सेवा कार्य करने का अवसर मिल रहा है। यह बात फाउंडेशन की फंडरेजर व कम्यूनिकेशन निदेशक प्रिंसेस नंदिनी सिंह झाबुआ ने उटीला क्षेत्र टांकोली गांव में एग्रो ड्राइव के तहत ग्रामीणों को खाद्य सामग्री, दवाइयां व अन्य जरूरत की वस्तुएं वितरित करते हुए कही। उनके नेतृत्व में सेवा कार्य किया गया। वे पूर्व मंत्री ध्यानेन्द्र सिंह एवं श्रीमती माया सिंह की पुत्रवधु हैं और लंबे समय से संस्था से जुड़कर सेवा कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राइजिंग वर्ल्ड फाउंडेशन मरीना शेख के साथ किए जा रहे सामाजिक सहयोग पर चर्चा करने के लिए यहां आपको आमंत्रित किया है।

सीवर ट्रीटमेंट प्लांट एवं पार्क सौंदर्यीकरण का काम एक हफ्ते में पूरा करें : निगम आयुक्त

ग्वालियर। लाल टिपारा मुरार क्षेत्र में अमृत योजना के तहत चल रहे सीवर ट्रीटमेंट प्लांट एवं पार्क सौंदर्यीकरण का कार्य एक हफ्ते में पूरा कराएँ, जिससे क्षेत्रीय जनता इन सुविधाओं से लाभान्वित हो सके। इस आशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन ने आज लाल टिपारा सीवर ट्रीटमेंट प्लांट एवं पार्क का निरीक्षण करते हुए दिए। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री एवं अमृत योजना के प्रभारी श्री आर एल एस मौर्य अधीक्षण यंत्री श्री प्रदीप चतुर्वेदी, सहायक यंत्री श्री जागेश श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी श्री केशव सिंह चौहान सहित अमृत योजना के ठेकेदार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मुरार स्थित लाल टिपारा क्षेत्र में स्थित सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता 50 एमएलडी से 65 एमएलडी करने का कार्य 65 करोड़ रुपए की लागत से अमृत योजना के तहत किया जा रहा है। क्षमता बढ़ाने के लिए चल रहा कार्य लगभग पूर्णता की ओर है तथा अमृत योजना के तहत ही उसी के पास दो करोड़ रुपए की लागत से पार्क विकसित किया जा रहा है जिसका कार्य भी पूर्णता की ओर है। दोनों कार्यों का निरीक्षण करते हुए निगमायुक्त श्री माकिन ने निर्देश दिए कि उक्त कार्य का ट्रायल आदि पूर्ण कर सात दिवस में सीवर ट्रीटमेंट प्लांट प्रारंभ कराएं तथा पार्क का सौंदर्यीकरण का कार्य भी शीघ्र पूर्ण करें।

संस्कार मंजरी ने आयोजित की ई गायन प्रतियोगिता, देश भर से कई कला साधकों ने भाग लिया

ग्वालियर। संयोजन डॉ वीणा जोशी ने किया, सह संयोजक अनिकेत तार्लेकर ,साक्षी और प्रमोद भार्गव रहे, शास्त्रीय गायन में ग्रुप ए मे प्रथम स्थान पर रहे जयत्र शर्मा , गीत में प्रथम स्थान पर रही मोहिका मंगल, ग्रुप बी में प्रथम स्थान पर रही प्रीति विपिन जैन शास्त्रीय गायन में द्वितीय स्थान पर रहे श्रेष्ठ निरंजन, गीत में द्वतीय स्थान पर रही समृद्धि सिंह, ग्रुप बी में द्वितीय स्थान पर रही रजनी गुप्ता ग्रुप सी में प्रथम अर्चना बामन गया,द्वितीय स्थान पर रही शकुंतला गुप्ता , शास्त्रीय गायन में द्वितीय स्थान पर रहे श्रेष्ठ निरंजन, गीत में द्वतीय स्थान पर रही समृद्धि सिंह, ग्रुप बी में द्वितीय स्थान पर रही रजनी गुप्ता ग्रुप सी में द्वितीय स्थान पर रही अर्चना बामनगया

शास्त्रीय गायन में ग्रुप ए में तृतीय पर रही कनिष्का कइथवास , गीत में तृतीय स्थान पर रहे तनुष शर्मा, ग्रुप बी में तृतीय स्थान पर रही सपना गुप्ता, ग्रुप सी में तृतीय स्थान पर रही सुनीता गुप्ता रही प्रतियोगिता में विशेष स्थान प्रप्त किया जिनके नाम इस प्रकार है- हर्षिता भाटिया ,राखी तिवारी,अनुराधा बरौलिया ग्रुप,अर्पिता पाण्डे,संजुक्ता चक्रवर्ती,ज्योति यादव,प्रफुल वैशंपायन,रिची वर्मा, मनु तिवारी कौशिक, वैषेणवी,अथर्व शर्मा, प्रतीक मिश्रा, श्रीमति मुन्नी गुप्ता, हरजीत कौर, चंचल सिह चौहान संस्थापक नीलम जगदीश गुप्ता संरक्षक राधाकिशन खेतान शरद आहूजा जी, आशा सिंह, कोषाध्यक्ष आशीष पारिख माधवी सिंह आदि सभी सदस्यों ने सभी को बधाइयां दी।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु

नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रंद्धाजलि शोक संदेश उठावनी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

प्रतिभा हम निखारेंगे

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी लेख कविताओं को हम देंगे जगह, आपके अंदर की प्रतिभाओं को हम उभरेंगे। तो देर किस बात की अभी हमे भेंजे अपनी कविता,लेख,कहानी,या फिर देख की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार आप हमें व्हाट्सएप या मेल कर सकते है।

हमारा उद्देश्य - भारत को में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकलना।

पुष्पांजली टुडे
E-mail - pushpanjalitoday@gmail.com
Whatsapp :- 8269307478,7999246560,9691270207

नोट : मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो और नाम/पता/व्हाट्सएप अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478